राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 25 जून 2025 वर्ष-8,अंक-126 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऑपरेशन सिंदूर को याद कर पीएम मोदी बोले- सिर्फ 22 मिनट में सेना ने दुश्मन को घुटने पर ला दिया

श्रीनारायण गुरु को नमन और गांधी को अपनी श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में श्रीनारायण गुरु और महात्मा गांधी के बीच ऐतिहासिक बातचीत की शताब्दी समारोह बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हुए। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं श्रीनारायण गुरु को नमन करता हूं और गांधी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि हम एक ऐतिहासिक घटना को याद कर रहे हैं, जिसने न सिर्फ हमारे स्वतंत्रता आंदोलन को एक नई दिशा दी, बल्कि एक स्वतंत्र भारत के सपने को भी गति दी। उन्होंने कहा कि 100 साल पहले श्री नारायण गुरु और महात्मा गांधी के बीच हुई मुलाकात आज भी बहुत प्रेरणादायक है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत की विशेषता है कि हमारा देश जब भी मुश्किलों के फंस जाता है, तब कोई न कोई महान विभूति देश के किसी कोने में जन्म लेकर समाज को नई दिशा दिखाता है। कोई समाज के आध्यात्मिक उत्थान के लिए काम करता है, कोई सामाजिक क्षेत्र में समाज सुधारों को गति देता है। श्रीनारायण गुरु इसतरह के महान संत थे।

पीएम मोदी ने कहा, श्री नारायण गुरु के आदर्श पूरी मानवता के लिए बहुत बड़ी पूंजी हैं। पीएम मोदी ने कहा, श्री नारायण गुरु ने एक इसतरह के समाज की परिकल्पना की थी, जो भेदभाव से मुक्त हो। मुझे संतोष है कि आज देश सैचुरेशन अप्रोच पर चलते हुए भेदभाव की हर गुंजाइश को खत्म कर रहा है।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि शिवगिरी मठ और पूज्य संतों से जुड़े लोग जानते हैं कि मैं श्रीनारायण गुरु और शिवगिरी मठ के प्रति कितना समर्पित हूं। मैं खुद को सच में सौभाग्यशाली मानता हूं कि शिवगिरी मठ हमेशा मेरे साथ खड़ा रहा है। ये बहुत बड़ी कृपा है कि मठ के संतों ने हमेशा मुझ पर प्यार और स्नेह बरसाया है।

इस दौरान उन्होंने किसी देश का नाम लिए बिना कहा कि भारत में निर्मित हथियारों ने पाकिस्तान के साथ संघर्ष के दौरान अपनी ताकत दिखाई। उन्होंने कहा, हमारी सरकार ने दिखाया है कि भारतीयों का खून बहाने वाले आतंकवादियों के लिए कोई भी ठिकाना सुरक्षित नहीं है। पीएम मोदी ने कहा कि बीते 11 वर्षों में उनकी सरकार ने सामाजिक, आर्थिक और रक्षा क्षेत्रों में भारत को मजबूत बनाने के लिए काम किया है। उन्होंने कहा कि अपनी रक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए दूसरे देशों पर भारत की निर्भरता कम हो रही है और यह रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकी ठिकानों पर किए गए सटीक हमलों के संदर्भ में कहा कि सेना ने 22 मिनट में भारत में निर्मित हथियारों से दुश्मन को घुटने टेकने पर मजबूर किया था। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि भविष्य में भारत में निर्मित हथियारों को दुनिया भर में सराहा जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में, इससे पहले की तुलना में अधिक संख्या में आईआईटी, आईआईएम और एम्स जैसे संस्थान शुरू किए गए हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि अभी हाल ही में हम सभी लोगों ने विश्व योग दिवस मनाया। इस बार योग दिवस की थीम थी-एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य, यानी एक धरती एक स्वास्थ ! आज भारत सस्टेनेबल डेवलपमेंट की दिशा में एक सूर्य, एक विश्व, एक ग्रिड जैसे ग्लोबल अभियन को लीड कर रहा है। 2023 में जब भारत ने जी 20 समिट को लीड किया ?था, तब थीम रखा था, एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य। हमारे इन प्रयासों में वसुधैव कुटुंबकम की धारणा जुड़ी हुई है।

पीएम मोदी ने कहा श्री नारायण गुरु ने हमेशा महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया था। हमारी सरकार भी महिलाओं के नेतृत्व में विकास के साथ आगे बढ़ रही है। हमारे देश में आजादी के इतने वर्षों बाद भी कई क्षेत्र ?थे, जिसमें महिलाओं के प्रवेश पर रोक थी। लेकिन हमारी सरकार ने इन प्रतिबंधों को हटाया। नए नए क्षेत्रों में महिलाओं को अधिकार मिले। आज कोर्ट से लेकर स्पेस तक, बेटियां नाम रोशन कर रही हैं।

शशि थरुर ने अटकलों पर लगाया विराम, पीएम मोदी की तारीफ... बीजेपी में शामिल होने के संकेत नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऊर्जा, गतिशीलता और लोगों से जुड़ने की इच्छा की प्रशंसा कर उनकी टिप्पणी भारत के आउटरीच मिशन की सफलता के संदर्भ में थी।कांग्रेस सांसद थरूर ने कहा कि उनकी टिप्पणी प्रधानमंत्री मोदी की पार्टी में शामिल होने के लिए उनके संकेत नहीं हैं, जैसा कि कई मीडिया रिपोर्टों में बताया जा रहा है। थरूर ने कहा, यह एक ऐसा लेख है जिसमें मैंने आउटरीच मिशन की सफलता का वर्णन किया है, जो सभी दलों की एकता को दिखाता है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि मैंने कहा कि पीएम मोदी ने खुद अन्य देशों के साथ बातचीत में गतिशीलता और ऊर्जा का प्रदर्शन किया है। भाजपा की विदेश नीति या कांग्रेस की विदेश नीति जैसी कोई चीज नहीं है। ये केवल भारतीय विदेश नीति है। थरूर ने कहा, मैंने यह बात 11 साल पहले कही थी, जब मुझे संसद की विदेश मामलों की समिति का अध्यक्ष बनाया था। उन्होंने कहा, यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पार्टी में शामिल होने का मेरा संकेत नहीं है। यह राष्ट्रीय एकता का संदेश है। इसके पहले कांग्रेस सांसद थरूर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की ऊर्जा, उनका बहुआयामी व्यक्तित्व और संवाद की तत्परता वैश्विक मंच पर भारत के लिए एक ''अहम पूंजी'' बनी हुई है, लेकिन अधिक सहयोग एवं समर्थन की जरूरत है। उनकी यह टिप्पणी फिर कांग्रेस को असहज स्थिति में डाल सकती है तथा पार्टी नेतृत्व के साथ उनके संबंधों में दरार और गहरी हो सकती है। प्रधानमंत्री मोदी के लिए थरूर की प्रशंसा उस समय आई है जब कांग्रेस विदेश नीति को लेकर मोदी सरकार पर निरंतर हमले कर रही है और आरोप लगा रही है कि भारतीय कूटनीति चरमरा गई है और देश विश्व स्तर पर ''अलग-थलग'' पड़ गया है।

एक जुलाई से ट्रेन का सफर होगा महंगा ! किराया बढ़ाने की तैयारी में भारतीय रेलवे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कई वर्षों में पहली बार यात्री ट्रेन के किराए में बढ़ोतरी करने की तैयारी कर ली है। संशोधित दरें 1 जुलाई से लागू होंगी। रिपोर्ट के अनुसार, गैर-एसी मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों में यात्रा करने वाले यात्रियों को प्रति किलोमीटर 1 पैसे की दर से किराया बढ़ाना होगा। मंगलवार को रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि देशभर में रोजाना करीब 13,000 गैर-एसी मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों में टिकट की कीमतों में मामूली बढ़ोतरी होगी। एसी श्रेणी के यात्रियों के लिए किराए में 2 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी। रेलवे अधिकारी ने आश्वासन दिया कि नए किराया ढांचे से यात्रियों के बजट पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा। उपनगरीय ट्रेन के किराए और मासिक सीजन टिकट (रूरूज्ञ) की कीमतें अपरिवर्तित रहेंगी, जिससे काम पर आने-जाने वाले दैनिक यात्रियों को राहत मिलेगी। इसके अलावा, साधारण द्वितीय श्रेणी में 500 किलोमीटर तक की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए किराए में कोई वृद्धि नहीं होगी। हालांकि, सामान्य द्वितीय श्रेणी में 500 किलोमीटर से अधिक की यात्रा के लिए, किराए में प्रति किलोमीटर केवल आधा पैसा ही बढ़ेगा। उदाहरण के लिए, 600 किलोमीटर की यात्रा में केवल 50 पैसे की वृद्धि होगी, जिसे बहुत मामूली माना जाता है। इससे पहले जून 2025 में भारतीय रेलवे ने एक महत्वपूर्ण बदलाव की घोषणा की थी। 1 जुलाई 2025 से तत्काल टिकट बुक करने के लिए आधार प्रमाणीकरण अनिवार्य होगा। रेल मंत्रालय ने 10 जून 2025 को एक निर्देश जारी किया, जिसमें कहा गया कि इस उपाय का उद्देश्य तत्काल योजना का लाभ आम जनता तक पहुँचाना और एजेंटों द्वारा दुरुपयोग को रोकना है। भारतीय रेलवे की अधिसूचना के अनुसार, 1 जुलाई 2025 से तत्काल टिकट केवल उन्हीं यात्रियों को उपलब्ध होंगे जिन्होंने आधार सत्यापन पूरा कर लिया है। बुकिंग केवल IRCTC की आधिकारिक वेबसाइट या ऐप के माध्यम से की जा सकती है।

गृहमंत्री शाह की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय क्षेत्रीय परिषद की बैठक,

घुसपैठ और विकास रहा प्रमुख एजेंडा

-चार राज्यों के मुख्यमंत्रियों समेत 120 अधिकारियों ने लिया हिस्सा

नई दिल्ली/अहमदाबाद (एजेंसी)। वाराणसी,(ईएमएस)। काशी में सोमवार शाम से शुरू हुई 25वीं सेंट्रल जोनल काउंसिल (केंद्रीय क्षेत्रीय परिषद) की बैठक में गृहमंत्री अमित शाह ने चार राज्यों मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड के मुख्यमंत्रियों और करीब 120 अधिकारियों के साथ मिलकर सुरक्षा और विकास से जुड़े अहम मुद्दों पर मंथन किया। यह बैठक वाराणसी के होटल ताज में आयोजित की गई।

परिषद की इस बैठक में देश की सीमा पर होने वाली घुसपैठ, आतंकवाद, महिला अपराध, सीमा विवाद, सड़क और परिवहन, पर्यावरण, धार्मिक पर्यटन और नदियों को जोड़ने जैसे विषय प्रमुख रूप से चर्चा में रहे। इसमें बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्या मुसलमानों की अवैध मौजूदगी और भारत-नेपाल सीमा से होने वाली घुसपैठ को लेकर गहन विचार-विमर्श किया गया।

क्षेत्रीय मुद्दों पर केंद्र और राज्यों के समन्वय की जरूरत

बैठक के दौरान उन मुद्दों पर विशेष ध्यान

दिया गया जिनका समाधान केंद्र और राज्यों के साझा प्रयासों से ही संभव हो सकते हैं। जैसे कि अंतर्राज्यीय सीमा विवाद, खनन नीतियां, जल संसाधन और कृषि सुधार। पॉक्सो एक्ट के मामलों, महिला और बाल सुरक्षा, तथा नक्सल प्रभावित इलाकों की चुनौतियों पर भी वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रस्तुतियाँ दीं।

धार्मिक कार्यक्रमों में भी हिस्सा लिया

बैठक से पहले मंगलवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काशी विश्वनाथ मंदिर में पंचामृत अभिषेक किया और संकट मोचन मंदिर में हनुमान जी का आशीर्वाद लिया। यहां बताते चलें कि गृहमंत्री अमित शाह सोमवार शाम करीब 5-40 बजे काशी पहुंचे थे, जहां मुख्यमंत्री योगी ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया था। इसके बाद दोनों नेता काल भैरव मंदिर पहुंचे। दर्शन के दौरान एक पुजारी ने अमित शाह की दंड से नजर उतारी, जिसे देखकर सीएम योगी मुस्कुरा पड़े और हल्के-फुल्के अंदाज़ में पुजारी को इशारा कर रोक दिया।

सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त

इससे पहले होटल ताज तक शाह के काफिले के रूट पर तीव्र सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई थी। होटल में चारों राज्यों के मुख्यमंत्रियों जिनमें मध्य प्रदेश के डॉ मोहन यादव, उत्तराखंड के पुष्कर सिंह धामी, छत्तीसगढ़ के विष्णुदेव साय और उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ ने गृहमंत्री शाह के साथ डिनर में भाग लिया।

सूत्रों का कहना है कि इस बैठक और शाह के दौरे का उद्देश्य न केवल प्रशासनिक समन्वय को मजबूत करना है, बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक जुड़ाव के ज़रिए जनता के साथ विश्वास का सेतु भी निर्मित करना है। काशी में हुई यह उच्च स्तरीय बैठक न केवल क्षेत्रीय समन्वय को नया आयाम देती है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, विकास, और सांस्कृतिक महत्व को एक मंच पर लाकर राज्य-केंद्र संबंधों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक सार्थक पहल भी है।

देश में बारिश से बाढ़ जैसे हालात...

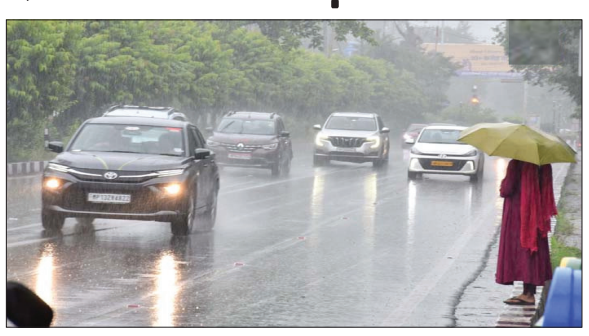

* सूरत में स्कूल बंद, यूपी में बारिश का 50 साल का रिकॉर्ड टूटा; यमुनोत्री-बद्रीनाथ में लैंडस्लाइड

* शिवपुरी-श्योपुर में बाढ़ जैसे हालात

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ (एजेंसी)। देश में मानसून पूरी तरह छा गया है। गुजरात में पिछले 2 दिन से तेज बारिश हो रही है। सूरत में 24 घंटे में 10 इंच बारिश दर्ज की गई है। शहर के कई इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। अधिकतर सडक़ों पर पानी भर गया है। शहर के स्कूल भी बंद कर दिए गए हैं। उत्तर प्रदेश में जून में बारिश का 50 साल का रिकॉर्ड टूट गया है। 1971 से 2020 के बीच हुई औसत बारिश के मुकाबले इस साल 25 प्रतिशत ज्यादा बरसात हुई है। मप्र में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। 20 जिलों में बारिश हो रही है। शिवपुरी और श्योपुर में बाढ़ जैसे हालात हैं।

मप्र के ऊपर से ट्रफ गुजरने की वजह से बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। मंगलवार को रतलाम और भोपाल में सुबह से रुक-रुककर बारिश हो रही है। शिवपुरी में बारिश से पवा जलप्रपात बह निकला है। यहां लगभग 100 फीट की ऊंचाई से पानी गिर रहा है। भदैया कुंड में भी झरना पूरी रफ्तार से बह रहा है। कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी ने लोगों की सुरक्षा को देखते हुए जिले के सभी जलस्रोतों पर प्रवेश रोक दिया है। श्योपुर में भारी बारिश के चलते मंगलवार को सीप नदी उफान पर आ गई। मानपुर और ढोढर के बीच की पुलिया पर पानी आ गया है। पुलिस ने यहां आवागमन पूरी तरह से बंद करा दिया है। काशीपुर, बालापुरा, हीरापुर, अल्लपुर समेत आसपास के कई गांवों का संपर्क जिला मुख्यालय से टूट गया है।

बद्रीनाथ में लैंड स्लाइड, 3 की मौत

उत्तराखंड में मानसून के पहुंचने के साथ ही प्राकृतिक आपदाओं का दौर भी शुरू हो गया है। यमुनोत्री पैदल मार्ग पर नौ कैंची बैंड के पास भूस्खलन हुआ, इसमें करीब आधा दर्जन यात्री दब गए। मलबे से 2 शव बरामद किए गए हैं। राहत और बचाव का काम जारी है। बद्रीनाथ से लौट रहे हरियाणा के श्रद्धालु की कार पर पहाड़ी से एक बड़ा पत्थर गिर जाने से महिला यात्री की मौके पर ही मौत हो गई। केदारनाथ पैदल मार्ग पर बरसाती नाले में उफान से भारी मात्रा में मलबा दुकानों में घुस गया। लगभग आधा दर्जन दुकानों को नुकसान हुआ है।

वापी-नाडियाद में बाढ़ जैसे हालात

गुजरात के दक्षिण गुजरात में पिछले दो दिनों से जमकर बारिश हो रही है। सोमवार को सूरत जिले में पिछले 24 घंटे में 10 इंच बारिश दर्ज की गई। सूरत शहर में भी सोमवार सुबह 8 बजे से 12 बजे तक 7 इंच बारिश हुई। इससे सूरत में कई जगह बाढ़ का हालात बन गए हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ चीन में एससीओ सम्मेलन में हिस्सा लेते हुए आतंकवाद के खिलाफ साझा रणनीति पर जोर देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बुधवार 25 जून को चीन के किंगदाओ शहर में शुरू हो रहे शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के दो दिवसीय सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस सम्मेलन में वे आतंकवाद और उग्रवाद जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए सदस्य देशों के बीच सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर देंगे। सम्मेलन का आयोजन चीन के पूर्वी शांदोंग प्रांत के प्रमुख बंदरगाह शहर किंगदाओ में किया जा रहा है, जहां क्षेत्रीय सुरक्षा, आतंकवाद विरोधी उपायों और रक्षा साझेदारी को लेकर गहन विचार-विमर्श किए जाने की संभावना है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस बहुपक्षीय मंच का उपयोग कर आतंकवाद के खिलाफ एक सशक्त और समन्वित वैश्विक नीति की आवश्यकता पर भारत की स्पष्ट भूमिका रख सकते हैं। रक्षा मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है, कि सिंह सम्मेलन में यह भी स्पष्ट करेंगे कि आतंकवाद किसी भी देश के विकास और स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा है, और इससे निपटने के लिए सभी देशों को पारदर्शिता और राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ कार्य करना होगा। इस सम्मेलन में पाकिस्तान, चीन, रूस, और मध्य एशियाई देशों सहित एससीओ के सभी सदस्य देशों के रक्षा मंत्री शामिल होंगे। भारत, जो 2017 में एससीओ का पूर्ण सदस्य बना, लगातार इस मंच पर आतंकवाद और सीमा-पार से हो रही घुसपैठ जैसे विषयों को मजबूती से उठाता आया है।

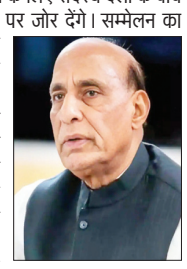

राहुल ने फिर उठाया चुनाव में धांधली का मसला, चुनाव आयोग बोला

कोई मुद्दा है तो हम मिलने को तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 2024 के महाराष्ट्र चुनावों में धांधली के उनके आरोपों पर औपचारिक रूप से पत्र लिखा है। इसमें कहा गया है कि सभी चुनाव संसद की ओर से पारित कानूनों और नियमों के अनुसार सख्ती से कराए जाते हैं। चुनाव आयोग ने इस बात पर भी जोर दिया कि पूरे चुनाव अभ्यास में हजारों लोगों को शामिल किया जाता है, जिसमें राजनीतिक दलों की ओर से नियुक्त बूथ-स्तरीय एजेंट भी शामिल हैं।

एक प्रमुख दैनिक में उनके लेख के जवाब में 12 जून को राहुल गांधी को ईमेल किए गए एक पत्र में चुनाव आयोग ने कहा कि पूरी चुनाव प्रक्रिया विधानसभा क्षेत्र स्तर पर विकेंद्रीकृत तरीके से आयोजित की जाती है। इसमें आयोग की ओर से नियुक्त 1,00,186 से अधिक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ), 288 निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ), 139 सामान्य पर्यवेक्षक, 41 पुलिस

पर्यवेक्षक, 71 व्यय पर्यवेक्षक और 288 रिटर्निंग अधिकारी (आरओएस) शामिल होते हैं। इसके अलावा महाराष्ट्र में कांग्रेस के 28,421 सहित राष्ट्रीय और राज्य राजनीतिक दलों की ओर से 1,08,026 बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त किए गए हैं।

लोकसभा में विपक्ष के नेता से कहा गया, हमारा मानना है कि चुनाव संचालन से संबंधित कोई भी मुद्दा कांग्रेस उम्मीदवारों की ओर से सक्षम न्यायालय (उच्च न्यायालय) में दायर चुनाव याचिकाओं के माध्यम से पहले ही उठाया जा चुका होगा। चुनाव प्राधिकरण ने कहा, यदि आपके पास अभी भी कोई मुद्दा है, तो आप हमें लिख सकते हैं और आयोग सभी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तिथि और समय पर आपसे व्यक्तिगत रूप से मिलने के लिए भी तैयार है।

राहुल ने फिर उठाया चुनावों में अनियमितताओं का मुद्दा

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में कथित अनियमितताओं का दावा करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को दावा किया कि कुछ गड़बडिय़ां नहीं थीं, बल्कि वोटों की चोरी थी। उन्होंने मशीन-पठनीय डिजिटल मतदाता सूची के साथ-साथ सीसीटीवी फुटेज को तुरंत जारी करने की मांग की। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने एक्स पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की, जिसमें दावा किया गया था कि 2024 के लोकसभा चुनावों और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के बीच सिर्फ छह महीनों में नागपुर दक्षिण पश्चिम भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस की सीट पर 29,219 नए मतदाता जुड़े।

लंदन से मुंबई आ रही फ्लाइट में 11 हुए बीमार, मचा हड़कंप, उधर जयपुर में रद्द करना पड़ी उड़ान

मुंबई (एजेंसी)। लगता है कि एविएशन कंपनियों की ग्रहदशा ठीक नहीं चल रही है। आए दिन कुछ न कुछ चुनौतिया आ रहीं हैं। यात्री भी डरे हुए और कई लोगों ने हवाई सफर को होल्ड कर दिया है। लंदन से मुंबई आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट में अचानक 5 यात्री और 2 चालक दल के सदस्य समेत 11 लोग बीमार पड़ गए, जिससे विमान के अंदर हड़कंप मच गया। सभी ने चक्कर आने और मतली की शिकायत की। यह घटना सोमवार को तब सामने आई जब विमान के विभिन्न चरणों में यात्रियों और क्रू मेंबरों ने चक्कर आने और मतली की शिकायत की। एयर इंडिया ने बताया कि विमान ने सुरक्षित लैंडिंग की और सभी बीमार यात्रियों को मेडिकल जांच के लिए तुरंत मेडिकल रूम में ले जाया गया। बाद में उनका स्वास्थ्य ठीक पाया गया और उन्हें छुट्टी दे दी गई। कंपनी ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है और संबंधित विमानन सुरक्षा नियामक अधिकारियों को भी सूचित कर दिया है।एयर इंडिया के बयान के अनुसार, यह समस्या फ्लाइट नंबर एआई 130 में सामने आई, जो लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट से मुंबई के लिए उड़ान भर रही थी।

ईरान-इजरायल के बीच सीजफायर कराने में कतर की रही बड़ी भूमिका, श्रेय लेने जबरन कूदे ट्रंप

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जबरियां श्रेय लेने के आदी हो गए हैं। भारत पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने का श्रेय लेने की कोशिश ट्रंप ने की थी। हालांकि भारत ने इसे पूरी तरह नकार दिया था। अब ईरान और इजरायल के बीच होने वाले सीजफायर का श्रेय लेने के लिए जबरिया कूद रहे हैं। जबकि इसमें सबसे बड़ी भूमिका कतर की बताई जा रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान कर दिया है कि ईरान और इजरायल के बीच संघर्ष विराम समझौता हो गया है। ईरान ने सीजफायर की बात को पहले खारिज करने के बाद अब स्वीकार कर लिया है। वहीं, इजरायल से आधिकारिक प्रतिक्रिया बाकी है। खबर हैं कि इस सीजफायर में कतर ने अहम भूमिका निभाई है। ईरान और इजरायल के बीच करीब दो सप्ताह से खूनी संघर्ष जारी है।

खबर है कि ट्रंप ने सोमवार दोपहर इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बात कर सीजफायर समझौता तय किया। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है। यह घटनाक्रम ऐसे समय पर हो रहा है, जब ईरान और इजरायल के युद्ध में अमेरिका भी कूद पड़ा था। अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले का दावा किया था। इजरायल ने सोमवार को तेहरान में ईरानी सरकार के ठिकानों पर कई हमले किए, वहीं इजरायली सेना ने पुष्टि की कि उसने ईरान के फोर्दो संवर्धन प्रतिष्ठान तक पहुंच को बाधित करने के लिए उसके आसपास की सड़कों पर हमला किया। फोर्दो संवर्धन प्रतिष्ठान रविवार को अमेरिका द्वारा निशाना बनाये गए तीन परमाणु प्रतिष्ठानों में से एक था। ईरान ने भी इजरायल पर मिसाइल और ड्रोन से हमले किए। ईरान ने इजरायल पर हमले अमेरिका द्वारा एक दिन पहले ईरानी परमाणु प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर किए गए हमलों के बाद किए। इजरायल के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि तेहरान पर किए गए हमलों में वहां की कुख्यात एविन जेल और अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के सुरक्षा मुख्यालय को निशाना बनाया गया।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल थानी ने तेहरान को अमेरिका की तरफ से प्रस्तावित सीजफायर के लिए मनाया। हालांकि, इस पर कतर ने आधिकारिक बयान नहीं दिया है हाल ही में ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कतर के आमिर से संपर्क साधा था और तनाव कम करने के लिए मदद मांगी थी। एक अधिकारी ने बताया, ट्रंप ने आमिर को बताया है कि इजरायल सीजफायर के लिए मान गया है और कतर से मदद मांगी कि इस पर ईरान को भी सहमत कराया जाए। इसके कुछ समय बाद ही कतर के पीएम ने ईरानी अधिकारियों से संपर्क साधा और समझौते पर तेहरान की सहमति ली। चर्चा में एक ईरानी अधिकारी ने माना है कि कतर की मध्यस्थता वाले सीजफायर को तेहरान ने स्वीकार कर लिया है।ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास

अराग्ची ने कहा, सुबह 4 बजे तक आखिरी समय तक इजरायल को सजा देने के लिए हमारे ताकतवर सशस्त्र बलों की सैन्य कार्रवाई जारी रही। सभी ईरानियों के साथ मिलकर मैं हमारे बहादुर सशस्त्र बलों का धन्यवाद देता हूं, जो खून की आखिरी बूंद तक देश के लिए खड़े रहे और जिन्होंने आखिरी समय तक दुश्मन के हर हमले का जवाब दिया।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आत्मनिर्भरता से रक्षा निर्यातक बनने के बीच चुनौती

भारतीय प्रतिरक्षा क्षेत्र/ डॉ. शशांक द्विवेदी

भारत ने पिछले कुछ वर्षों में एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और यूरोप के 85 से अधिक देशों को रक्षा उत्पादों का निर्यात किया है। निर्यात किए जाने वाले प्रमुख रक्षा उत्पादों में आर्टिलरी गन सिस्टम्स (धनुष) आकाश मिसाइल प्रणाली, राडार सिस्टम्स (स्वाति राडार), गश्ती नौकाएं और मिसाइल बोट्स, डोर्नियर एयरक्राफ्ट, 'ध्रुव', बुलेटप्रूफ जैकेट्स, हेल्मेट्स, स्मॉल आर्म्स और गोला-बारूद, ड्रोन, यूएवी आदि शामिल हैं।

रक्षा निर्यात न केवल विदेशी मुद्रा कमाने का जरिया है, बल्कि हमारी वैश्विक रणनीतिक स्थिति को भी मजबूत करता है। भारत की 'सॉफ्ट पॉवर' और 'स्ट्रैटेजिक पॉवर' को बढ़ावा मिलता है।

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में जहां रूस-यूक्रेन, इस्राइल-हमास और इस्राइल-ईरान जैसे युद्ध चल रहे हैं, वहीं भारत-पाकिस्तान के बीच 'ऑपरेशन सिंदूर' ने भी सैन्य तैयारी की गंभीरता को रेखांकित किया है। ऐसे माहौल में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग पर विश्व का ध्यान केंद्रित हुआ है। भारत ने हाल के वर्षों में रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। आयातक से निर्यातक देश बनने की ओर बढ़ता भारत अब वैश्विक मंच पर एक मजबूत और विश्वसनीय रक्षा साझेदार के रूप में उभर रहा है। 'मेक इन इंडिया', 'आत्मनिर्भर भारत' और रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने वाली सरकारी नीतियों ने देश के रक्षा निर्माण और निर्यात को गति दी है।

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत का रक्षा निर्यात वित्तीय वर्ष 2017-18 में मात्र 1,521 करोड़ रुपये था, जो 2023-24 में बढ़कर 16,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया। यह लगभग 950 प्रतिशत की वृद्धि है, जो यह दर्शाता है कि भारत अब रक्षा निर्माण और निर्यात के क्षेत्र में मजबूती से आगे बढ़ रहा है।

भारत ने पिछले कुछ वर्षों में एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और यूरोप के 85 से अधिक देशों को रक्षा उत्पादों का निर्यात किया है। निर्यात किए जाने वाले प्रमुख रक्षा उत्पादों में आर्टिलरी गन सिस्टम्स (धनुष) आकाश मिसाइल प्रणाली, राडार सिस्टम्स (स्वाति राडार), गश्ती नौकाएं और मिसाइल बोट्स, डोर्नियर एयरक्राफ्ट, 'ध्रुव', बुलेटप्रूफ जैकेट्स, हेल्मेट्स, स्मॉल आर्म्स और गोला-बारूद, ड्रोन, यूएवी आदि शामिल हैं।

सरकार ने रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की हैं मसलन रक्षा उत्पादन नीति, निजी कंपनियों को प्रोत्साहन, विदेशों में रक्षा अटेचेज़ की नियुक्ति, सिंगल विंडो क्लियरेंस, डिफेंस एक्सपो जैसे अंतर्राष्ट्रीय आयोजन। हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड, भारत डायनामिक्स लिमिटेड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड जैसे सार्वजनिक उपक्रमों के साथ-साथ टाटा, एल एंड टी, भारत फोर्ज जैसी निजी कंपनियों ने डिफेंस निर्यात को नया आयाम दिया है। सरकार ने लाइसेंसिंग प्रक्रिया को सरल बनाया है, जिससे निजी कंपनियां भी रक्षा उत्पादन और निर्यात में भाग ले सकें। रक्षा निर्यात से जुड़े लाइसेंस और परमिशन अब सिंगल विंडो सिस्टम से मिल रहे हैं।

ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली भारत की रक्षा तकनीक की एक उत्कृष्ट उपलब्धि है। यह सुपरसोनिक क्रूज़ मिसाइल भारत और रूस के संयुक्त उपक्रम 'ब्रह्मोस एयरोस्पेस' द्वारा विकसित की गई है। अब यह न केवल भारत की सैन्य क्षमताओं का एक अभिन्न हिस्सा है, बल्कि भारत के डिफेंस निर्यात की पहचान भी बन रही है। भारत ब्रह्मोस मिसाइल का निर्यात करने की दिशा में सफलतापूर्वक कदम बढ़ा चुका है। यह भारत और रूस के संयुक्त उपक्रम 'ब्रह्मोस एयरोस्पेस' द्वारा विकसित एक सुपरसोनिक क्रूज़ मिसाइल है, जो दुनिया की सबसे तेज क्रूज़ मिसाइलों में से एक मानी जाती है। यह भारत के डिफेंस एक्सपोर्ट सेक्टर की एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, क्योंकि इससे भारत विश्व के चुनींदा मिसाइल निर्यातक देशों की सूची में शामिल हो गया है।

जनवरी, 2022 में, भारत ने फिलीपींस के साथ लगभग 375 मिलियन डॉलर (करीब 2700 करोड़ रुपये) का सौदा किया। इस सौदे के तहत भारत शिप-लॉन्च ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम की आपूर्ति कर रहा है। यह भारत की पहली बड़ी मिसाइल निर्यात डील है। इंडोनेशिया, थाईलैंड, मलेशिया, यूएई, ब्राजील, अर्जेंटीना आदि देशों को — (संभावित ग्राहक) भारत ने ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली की पेशकश की है। ब्रह्मोस के 'लैंड, शिप और एयर वर्ज़न' को लेकर इन देशों में रुचि जताई गई है।

ब्रह्मोस निर्यात भारत की तकनीकी और सामरिक क्षमताओं को दर्शाता है। ब्रह्मोस जैसे हाई-एंड हथियारों के निर्यात से भारत के डिफेंस एक्सपोर्ट को वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिली है। साथ ही दक्षिण चीन सागर और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में भारत की स्थिति मजबूत होती है। इससे 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' की वैश्विक छवि निखर रही है।

भारत का लक्ष्य है कि वह 2047 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बने और डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग इसमें एक प्रमुख स्तंभ बने। रक्षा निर्यात को बढ़ावा देना न केवल विदेशी मुद्रा कमाने का जरिया है, बल्कि यह भारत की वैश्विक रणनीतिक स्थिति को भी मजबूत करता है। इससे भारत की 'सॉफ्ट पॉवर' और 'स्ट्रैटेजिक पावर' दोनों को बढ़ावा मिलता है।

भारत को आने वाले वक्त में वैश्विक प्रतिस्पर्धा, तकनीकी आवश्यकताओं और लॉजिस्टिक्स जैसी चुनौतियों से जूझना होगा। कारगर रणनीतियां और निजी क्षेत्र की सक्रियता इस राह को आसान बना सकती हैं। इनसे निपटने के लिए भारत को अनुसंधान एवं विकास में निवेश, रक्षा स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन और वैश्विक साझेदारियों को मजबूत करना होगा।

भारत का डिफेंस सेक्टर अब आत्मनिर्भरता से आगे बढ़कर वैश्विक योगदानकर्ता बनने की ओर अग्रसर है। भविष्य में भारत रक्षा उत्पादों के लिए विश्व का प्रमुख निर्यातक बन सकता है जो न केवल आर्थिक दृष्टि से, बल्कि रणनीतिक रूप से भी देश को वैश्विक मानचित्र पर नई ऊंचाई प्रदान करेगा।

लेखक विज्ञान विषयों के जानकार हैं।

संपादकीय

विपक्ष को खुशी

भारतीय विपक्ष, जिसे इंडिया गठबंधन के रूप में बिखराव की स्थिति में माना जा रहा था, उसने गत उन्नीस जून को हुए उपचुनावों में, पांच में से चार सीटें जीत ली हैं। भाजपा पांच राज्यों में से सिर्फ एक सीट जीत सकी है। सबसे बड़ी उपलब्धि आप को हासिल हुई है, जिसने न केवल पंजाब की प्रतिष्ठित लुधियाना सीट जीती बल्कि मोदी-शाह के गढ़ में भी एक महत्वपूर्ण सीट जीतने में कामयाबी हासिल की है। गुजरात की विसावदर सीट जीती है, उस राज्य में जहां भाजपा तीन दशक से सत्ता में है। आप विधायक द्वारा पार्टी बदलने के बाद भाजपा को उम्मीद थी कि सीट उसकी झोली में आएगी, लेकिन आप ने इस झटके से उबरकर भाजपा उम्मीदवार को पराजित किया। उल्लेखनीय है कि 2022 के गुजरात विधानसभा चुनाव में आप ने पांच सीटें जीतकर भाजपा शासित राज्य में अपनी स्थिति मजबूत की थी। आमतौर पर उपचुनाव सत्तारूढ़ दल की पार्टी ही जीतती रही है, जैसा कि पंजाब में लुधियाना पश्चिम सीट आप ने तथा पश्चिम बंगाल में कालिगंज सीट तृणमूल कांग्रेस ने जीती हैं। वहीं केरल में उलट-फेर करते हुए कांग्रेस गठबंधन सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक गठबंधन यानी एलडीएफ से नीलाम्बुर सीट छीनने में सफल रहा। ऐसे समय में यह चिंता की बात है जब विधानसभा चुनाव में एक साल से कम समय रह गया है। यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि कांग्रेस पार्टी गुटबाजी से जूझ रही है। हाई-प्रोफाइल और तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर ने आरोप लगाया था कि उन्हें चुनाव प्रचार के लिये पार्टी ने आमंत्रित नहीं किया था। लेकिन पार्टी का कहना है कि वे स्टार अभियान चलाने वालों में सूचीबद्ध रहे हैं। दरअसल, थरूर के पार्टी हाईकमान से उस समय मतभेद उजागर हुए थे जब उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत का पक्ष रखने के लिये विदेशों में चलाए गए बहु-पार्टी अभियान में एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था। भविष्य बताएगा कि आसन्न विधानसभा चुनाव के मद्देनजर थरूर को कांग्रेस कैसे संभालती है। बहरहाल, केरल व पश्चिम बंगाल के उपचुनावों की विफलता ने भाजपा को परेशान जरूर किया होगा। जो इन विपक्ष के अंतिम गढ़ों में सत्ता की बाट जोह रही है। हालांकि, उस भाजपा को कमतर आंकना भूल होगी, जो हर बाधा को पार करने की कला जानती है। बहरहाल, पंजाब में आप ने लुधियाना पश्चिम सीट जीतकर कई समीकरण साधे हैं। यह जीत सिर्फ मध्यावधि चुनाव की जीत नहीं है बल्कि पंजाब में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भी आम आदमी पार्टी का हौसला बढ़ाने वाली जीत है। आप उम्मीदवार संजीव अरोड़ा की कांग्रेस के अनुभवी नेता भारत भूषण आशु पर 10,637 मतों की निर्णायक जीत शहरी क्षेत्रों में आप की पकड़ को दर्शाती है। ये सीट कभी कांग्रेस-भाजपा का गढ़ मानी जाती थी, यहां हिंदू मतदाताओं और कारोबारी बिरादरी का वर्चस्व रहा है। आप द्वारा समय पर पार्टी प्रत्याशी के चयन व घोषणा का लाभ पार्टी को मिला। अरोड़ा राजनीति में नवागंतुक के रूप में भी साफ-सुथरी पृष्ठभूमि और औद्योगिक अनुभव के साथ एक विश्वसनीय चेहरे के रूप में चुनाव में उतरे। जिसका लाभ पार्टी को मिला।

नए भारत की नई कहानी: ग्रोथ मार्केट से ग्रोथ इंजन तक

(लेखक- गिरिराज सिंह)

एक राष्ट्र की प्रगति केवल उसके आर्थिक सूचकांकों से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से तय होती है कि उस विकास से आम जनजीवन में कितनी गरिमा, अवसर और आत्मबल का संचार हुआ है। जब हम आज भारत की ओर देखते हैं, तो यह केवल एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि एक जाग्रत समाज की तस्वीर है, जो आगे बढ़ना जानता है, जो अपने अतीत से सीखता है और अपने भविष्य को स्वयं गढ़ रहा है।

मेरे लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर, जो वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में 7.4 प्रतिशत रही, एक आकंड़ा मात्र नहीं है। यह उस किसान की मेहनत का सम्मान है, जिसने आधुनिक तकनीक को अपनाकर पैदावार बढ़ाई। यह उस महिला उद्यमी की कहानी है, जिसने स्वयं सहायता समूह से यात्रा शुरू कर डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपने उत्पाद दुनिया तक पहुंचाए। यह उस युवा इंजीनियर का आत्मविश्वास है, जिसने मेक इन इंडिया के अंतर्गत नौकरी ढूंढ़ने के बजाय नौकरी देने वाला बना।

आज भारत की औसत विकास दर 6.5 प्रतिशत है, और नॉमिनल जीडीपी 330 ट्रिलियन को पार कर चुकी है। जीएसटी संग्रह लगातार दो महीने 2 लाख करोड़ से ऊपर रहा है। यह आर्थिक आत्मबल अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह गाँवों, छोटे कस्बों और दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुँचा है।

डिजिटल क्रांति ने भारत के सामाजिक ताने-बाने में एक ऐतिहासिक परिवर्तन लाया है। गाँव का एक युवा अब मोबाइल से भुगतान करता है, सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे खाते में प्राप्त करता है और ऑनलाइन पढ़ाई के माध्यम से अपने सपनों को साकार करता है। आज यूपीआई के जरिए 25 ट्रिलियन से अधिक ट्रांजैक्शन हो चुके हैं। यह डिजिटल समावेशन केवल तकनीकी परिवर्तन नहीं है, यह सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण का नया अध्याय है।

भारत ने वैश्विक व्यापार में भी अपनी मज़बूत उपस्थिति दर्ज की है। केवल अप्रैल 2025 में ही भारत से 3 मिलियन आईफोन आईफोन एक्सपोर्ट हुए, चीन से तीन गुना ज़्यादा। यह दर्शाता है कि भारत अब केवल बाज़ार नहीं, ग्लोबल वैल्यू चेन का प्रमुख स्तंभ बन चुका है। बीते दशक में भारत में 500 बिलियन से अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आया है, जो इनोवेशन, रोज़गार और आत्मनिर्भरता के नए द्वार खोल रहा है।

हमारे किसान भी इस बदलाव के सशक्त भागीदार बने हैं। आज 51 मिलियन किसानों के पास डिजिटल किसान आईडी है, जिससे उन्हें उनकी भूमि, फसल और योजनाओं का सीधा लाभ मिलता है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, डिजिटल मंडियाँ, और आत्मनिर्भर कृषि मिशन जैसे प्रयासों ने उन्हें सहयोगी नहीं, सहभागी बनाया है।

भारत में गरीबी दर 2011-12 के 29.5 प्रतिशत से घटकर आज 9.4 प्रतिशत रह गई है। यह केवल आर्थिक सुधार नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का विस्तार है। विश्व बैंक की रिपोर्ट बताती है कि अत्यंत गरीबी अब मात्र 5.3 प्रतिशत रह गई है। इस परिवर्तन में उस ग्रामीण परिवार की कहानी छिपी है, जिसके बच्चे पहली बार स्कूल गए, जिसने प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा को नज़दीक पाया, और जिसने आत्मनिर्भरता को अपनी पहचान बनाया।

इंफ्रास्ट्रक्चर में भी भारत ने नई ऊँचाइयाँ छुई हैं। आज भारत एक साल में 1,600 इंजन बनाकर विश्व का सबसे बड़ा लोकोमोटिव निर्माता है। ऊर्जा क्षेत्र में 49 प्रतिशत क्षमता अब नवीकरणीय स्रोतों से है। भारत अब सस्टेनेबल विकास की राह पर तेज़ी से अग्रसर है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में भी भारत की क्षमता को वैश्विक मान्यता मिल रही है। ओपनएआई जैसी संस्थाओं ने भारत में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय एआई अकादमी शुरू की है, यह हमारे युवाओं की प्रतिभा और संभावनाओं में भरोसे का प्रमाण है।

नए भारत की विकास यात्रा में टेक्सटाइल सेक्टर भी एक मजबूत स्तंभ बनकर उभरा है। तकनीकी वस्त्रों को वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए नेशनल टेक्निकल टेक्सटाइल मिशन और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव योजना एक-दूसरे के पूरक बनकर कार्य कर रही हैं। नेशनल टेक्निकल टेक्सटाइल मिशन के तहत 510 करोड़ रूपये की सहायता से 168 नवाचार आधारित प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है। वहीं, टेक्सटाइल इंफ्रास्ट्रक्चर को वैश्विक मानकों पर लाने के लिए देशभर में 7 पीएम मित्रा पार्क स्थापित किए जा रहे हैं, जहां पूरी वैल्यू चेन को 'प्लग-एंड-प्ले' मॉडल पर काम करने की सुविधा मिलेगी। यह क्षेत्र अब केवल परंपरा नहीं, बल्कि तकनीक, नवाचार और निर्यात का नया प्रतीक बन चुका है।

आज भारत को डब्ल्यूटीओ और डब्ल्यूईएफ जैसे वैश्विक संस्थान केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि ग्रोथ इंजन के रूप में देख रहे हैं। यह उस समर्पित प्रयास का परिणाम है, जो आदरणीय प्रधानमंत्री जी की नीतियों, योजनाओं और नागरिकों की सहभागिता से संभव हुआ है।

मैं दृढ़ता से मानता हूँ कि यह यात्रा केवल सरकार की नहीं, हर भारतीय की है। हमारे सामने आज जो उपलब्धियाँ हैं, वे उस संकल्प का परिणाम हैं जिसने हर गाँव, हर परिवार और हर नागरिक को जोड़ा। भारत आज एक विकल्प नहीं, एक प्रेरणा है, आत्मनिर्भरता की, समावेशिता की और वैश्विक नेतृत्व की। जब हम अमृतकाल में विकसित भारत @2047 की परिकल्पना करते हैं, तो वह केवल एक सपना नहीं, एक साझा संकल्प है और मुझे विश्वास है इस संकल्प की सिद्धि का समय अब दूर नहीं।

(वस्त्रत मंत्री, भारत सरकार)

(चिंतन-मनन)

विराट सत्ता की झांकी

ईश्वर चेतना निराकार है। साकार तो उसका कलेवर भर दिखता है। ईश्वर का दृश्य स्वरूप यह विराट ब्रह्माण्ड है। अर्जुन, यशोदा, कौशल्या आदि का मन ईश्वर दर्शन के लिए व्याकुल हुआ तो उन्हें इसी रूप में दिव्य दर्शन कराये गये। इसके लिए दिव्य नेत्र दिये गये। कारण, स्थूल दृष्टि से विराट विश्व को नहीं देखा जा सकता। जिन्हें पूर्व कथानकों के अनुरूप दर्शन ही भक्ति भावना का सफलता का आधार दिखाई पड़ता है, उनके लिए प्रतिमा-प्रतीकों का निर्धारण किया गया है। व्यापक चेतना की सत्ता तो सभी प्राणियों में समान रूप से विद्यमान है। मात्र शरीरधारी आकार ही चाहिए तो फिर भगवान की आकृति किसी भी प्राणी के रूप में हो सकती है पर यह परिकल्पना रास नहीं आती और मनुष्य शरीर का अभ्यास होने के कारण अधिक मनभावन प्रतीत होता है। इसलिए प्रतिमाओं में मनुष्याकृति को ही प्रमुखता दी गयी है।

यों तत्त्वदर्शियों ने मछली, वाराह, नृसिंह आदि को भी भगवान के अवतार बताकर प्राणी मात्र में दिव्य सत्ता का दर्शन करने का संकेत किया है, पर वह प्रतीक सब में प्रतिष्ठत न हो सका। चित्रों, प्रतिमाओं में देवी-देवताओं के वाहन पशु-पक्षी हैं पर उन्हें सेवक भर की मान्यता मिल सकी। यद्यपि निर्धारण कर्ताओं का अभिप्राय यही था कि प्राणी मात्र में ईश्वर की झांकी की जाए और उनके साथ भी वैसा ही व्यवहार किया जाए जैसा दिव्य संरचना के हर घटक के साथ किया जाना उचित है। शिव का नंदी, सरस्वती का हंस, लक्ष्मी का हाथी, दुर्गा का सिंह प्राय- चित्रण में आते हैं। जब उच्च स्तरीय संवेदना उभरती है, तो अपने ही अंतराल से भगवान का आंशिक अवतरण हुआ समझा जा सकता है। जब वे सद्भावनाएं क्रिया रूप में परिणत होने के लिए मचल पड़ें और लोभ, मोह के बंधनों से बंधने में इंकार करने लगें, तो समझना चाहिए कि दिव्य अनुकंपा का आवेश आत्म चेतना पर अपना अनुग्रह बरसाने लगा है। शक्तियां सदा निराकार होती हैं। पवन का आकार कहां है? पर जब वह अंधड़ के साथ जुड़ जाता है, तो आंधी ही वायु रूप में दर्शन देती है। शब्द निराकार है पर जब जिह्वा, होंठ, कंठ आदि के माध्यम से वाणी मुखर होती है, तो उन अंगों का परिचालन वाणी का साकार स्वरूप दिखाई पड़ता है। वाद्य यंत्र भी ध्वनि के उद्गम के रूप में दृष्टिगोचर होते हैं। इसीलिए उच्च उद्देश्यों में निरत महामानवों को बहुधा अवतार की, भगवान की संज्ञा दी जाने लगती है। श्रेष्ठ भाव संवेदनाओं की तरह आदर्शवादी क्रियाकलाप दैवी अनुग्रह से गतिशील माने जाने लगते हैं।

विचार मंथन

ईरान की संसद में लिए गए निर्णय से हड़कंप

(लेखक-सनत जैन)

मध्य पूर्व में ईरान और इजराइल के बीच जारी तनाव अब एक नाजुक एवं निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। इसका असर केवल सैन्य मोर्चे तक सीमित नहीं रहा। हाल ही में ईरान की संसद द्वारा लिए गए फैसले में अमेरिकी डॉलर में व्यापार बंद करने, पश्चिमी देशों से राजनयिक संबंधों की समीक्षा, तेल निर्यात की नई शर्तें लागू की गई हैं। ईरान की संसद द्वारा लिए गए निर्णय के बाद दुनिया में आर्थिक अस्थिरता की आशंका बलवती हो गई है। ईरान ने जिस तरह से अपने क्षेत्रीय और वैश्विक विरोधियों के खिलाफ खुला मोर्चा खोला है, उसने वैश्विक तेल आपूर्ति, व्यापारिक मार्गों, एक से दूसरे देश के बीच में आयात और निर्यात परिवहन को लेकर नई मुसीबतें खडी होंगी। इसका असर निवेशकों की मनोस्थिति, आयात और निर्यात के कारोबार तथा परिवहन कंपनियों पर गंभीर आर्थिक एवं सामरिक प्रभाव डालने वाला जैसा होगा। इससे दुनिया भर में आर्थिक अस्थिरता और महंगाई बढ़ेगी। ईरान की संसद और सरकार के इस फैसले का सबसे बडा असर कच्चे तेल की कीमतों पर अभी से दिखने लगा है। पहले ही अस्थिर वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से सारी दुनिया के देशों में बडी उथल-पुथल मचेगी। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला, जो अभी तक रुस-यूक्रेन युद्ध इजराइल और गाजा के युद्ध, चीन-अमेरिका के टैरिफ तनाव से जूझ रही थी। ईरान के इस निर्णय से अब मिडिल ईस्ट में बड़ा संकट पैदा हो गया है। पश्चिम एशिया के तेल मार्गों पर खतरे के बादल मंडराने लगे हैं, जिससे यूरोप और एशिया सहित दुनिया के सारे देशों में महंगाई की जबरदस्त लहर आने की आशंका व्यक्त की जा रही है। ईरान के इस फैसले का अमेरिका और इजराइल के साथ-साथ सारी दुनिया के देशों को सामरिक एवं राजनीतिक संदेश स्पष्ट रूप से दिया गया है। ईरान अब अमेरिका और पश्चिम के दबाव में झुकने वाला नहीं है। ईरान अब अपने हितों को प्राथमिकता देते हुए खाड़ी के देशों में भी अपनी स्थिति को मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रहा है। ईरान को अपना अस्तित्व बचाए रखने के लिए अब यह लड़ाई करो या मरो जैसी स्थिति में लड़ना पड़ रही है। ईरान के इस तेवर को देखते हुए, सारी दुनिया के देशों में हड़कंप मचा हुआ है। ईरान के सख्त रुख से वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए भूचाल आना तय हो गया है। भारत, यूरोप के देश एशियाई देश सभी में इसका बहुत बड़ा असर पड़ने जा रहा है। सभी देशों में कच्चे तेल का आयात महंगा होगा। परिवहन और बीमा का खर्च भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ेगा। तेल के दाम बढ़ने से सभी देशों में महंगाई बड़ी तेजी के साथ बढ़ेगी। डॉलर-रुपए तथा अन्य विदेशी मुद्रा को लेकर विकसित, विकासशील और गरीब देशों पर इसका बड़ा बुरा असर, और आर्थिक दबाव बढ़ेगा। आम उपभोक्ता तक महंगाई का असर होगा। दुनिया भर के उपभोक्ताओं की क्रय-शक्ति कम होगी जिसके कारण आर्थिक मंदी भी बड़ी तेजी के साथ फैलेगी। बेरोजगारी जैसी समस्याओं का भी सामना दुनिया के अधिकांश देशों को करना पड़ सकता है।

ऐसे में वैश्विक नेतृत्व की जिम्मेदारी बनती है, वह ईरान और इजराइल के बीच में शांति स्थापित करने की पहल करें। इस लड़ाई में अमेरिका के कूद जाने के कारण सैन्य और आर्थिक स्थिरता पर बड़ा खतरा पैदा हो गया है। युद्ध किसी विवाद का हल नहीं हो सकता है। युद्ध की स्थिति में सबसे ज्यादा नुकसान आम आदमियों का होता है। ईरान की संसद के निर्णय ने दुनिया को सोचने पर मजबूर कर दिया है। शक्ति प्रदर्शन से ज़्यादा इस वक्त सबसे बड़ी ज़रूरत संवाद की है। अमेरिका के युद्ध में कूद जाने के बाद वर्तमान स्थिति विस्फोटक हो चुकी है। चीन रूस और उत्तर कोरिया जैसे देश ईरान के समर्थन में एकजुट हो गए हैं, जिसको देखते हुए तृतीय विश्व युद्ध की स्थिति भी बनने लगी है। इस स्थिति में अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। चीन, रूस और अमेरिका जैसे देशों की भी जिम्मेदारी बढ़ जाती है। पिछले एक दशक से ईरान पर जिस तरह से प्रतिबंध लगाकर रखे गए हैं, इजरायल द्वारा लगातार ईरान, फिलिस्तीन और अन्य पड़ोसी देशों के साथ जिस तरह की दादागिरी की जा रही थी अब वह विस्फोटक स्थिति पर पहुंच गई है। इसलिए अब संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्थाओं को आगे आकर इस मामले को कड़ाई से निपटाना होगा, अन्यथा आने वाला समय सभी के लिए चुनौतीपूर्ण होगा। यदि इस संकट को जल्दी ही नहीं निपटाया गया तो सारी दुनिया के देशों में इसके दुष्परिणाम देखने को मिलेंगे, जो अलग-अलग रूपों में हो सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

25 साल में बैंक जमा पर सबसे कम ब्याज

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया द्वारा इस साल रेपो रेट में, अभी तक एक फ़ीसदी की कटौती कर दी गई है। जिसके कारण बैंकों की ब्याज दरें लगातार घटती चली जा रही हैं। 25 साल में पहली बार भारतीय जमा कर्ताओं को बैंक से सबसे कम ब्याज मिल रहा है। जिसके कारण बैंकों में जमा कर्ताओं का रुझान घटता चला जा रहा है। यदि यही हाल रहा।बैंक से लोन लेने वालों की मांग बढ़ती है। ऐसी स्थिति में बैंकों को नगदी संकट से जूझना पड़ेगा। बैंकों में आर्थिक अनिश्चितता बढ़ती चली जा रही है। निवेदक जमा राशि पर ज्यादा से ज्यादा लाभ कमाने के लिए अब म्युचुअल फंड, शेयर सोना चांदी एवं अन्य माध्यमों की तलाश कर रहे हैं। जो आगे चलकर बैंकों के अस्तित्व के लिए बड़ा संकट हो सकता है।

यूपीआई से फेल ट्रांजेक्शन पर मिलेगा तुरंत रिफंड

- 15 जुलाई से लागू होगा नया नियम

मुंबई । यूपीआई 15 जुलाई से नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) नया चार्जबैक नियम लागू करने जा रहा है, जिसके तहत अगर किसी लेनदेन में पैसा खाते से कट गया लेकिन भुगतान नहीं हुआ, तो ग्राहक को तुरंत रिफंड मिल जाएगा। अब इसके लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। अगर यूपीआई ट्रांजेक्शन फेल होता है लेकिन खाते से पैसा कट जाता है, तो यूजर को तुरंत पैसा वापस मिल जाएगा। वहीं यूजर बैंक से पैसा वापस मांग सकेगा, जिससे गलत ट्रांसफर के मामलों में तेजी से समाधान मिलेगा। अब बैंक एनपीसीआई की पूर्व अनुमति के बिना भी कुछ अस्वीकृत चार्जबैक को फिर से उठाने के लिए स्वतंत्र होंगे। एनपीसीआई की नई व्यवस्था के तहत पुराने मामलों की भी दोबारा जांच की जा सकेगी। जिन ग्राहकों के चार्जबैक दावे पहले खारिज हो चुके हैं, उन्हें भी समाधान की उम्मीद मिलेगी।

अदाणी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई ने फिर खरीदे 4.95 करोड़ डॉलर के बॉन्ड

नई दिल्ली । अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस ने कहा कि उसकी इकाई अदाणी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई लिमिटेड (एईएमएल) ने अपने ऋण दायित्व कम करने गिरवी रखे हुए 4.95 करोड़ डॉलर के ऋण बॉन्डफिर खरीद लिए हैं। एईएमएल ने कहा कि आंतरिक नकदी प्रवाह के जरिये वित्तपोषित 4.95 करोड़ डॉलर का नवीनतम लेनदेन फरवरी, 2020 में जारी कंपनी के 100 करोड़ डॉलर के बॉन्ड को संदर्भित करता है जो 2030 में देय थे। कुल 100 करोड़ डॉलर के इन ऋणपत्रों में से कंपनी ने नवंबर, 2023 में 12 करोड़ डॉलर के बॉन्ड पहले ही वापस खरीद लिए थे। कंपनी ने कहा कि इस लेनदेन के बाद गिरवी रखे हुए बॉन्ड की बकाया मूल राशि अब 83.05 करोड़ डॉलर है।

नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यात्रियों को देना होगा 1,225 रुपए तक यूडीएफ

मुंबई । भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण (ईआरए) ने निर्माणाधीन नवी मुंबई हवाई अड्डे पर 1,225 रुपये तक का उपयोगकर्ता विकास शुल्क (यूडीएफ) लगाने की अनुमति दे दी है। इस हवाई अड्डे का विकास नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (एनएमआईएएल) द्वारा किया जा रहा है। इस वर्ष के अंत में चालू होने वाले इस हवाई अड्डे से उड़ान भरने वाले यात्रियों को घरेलू उड़ानों के लिए 620 रुपये और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए 1,225 रुपये उपयोगकर्ता विकास शुल्क (यूडीएफ) के रूप में देने होंगे। एईआरए के 42 पृष्ठ के आदेश के अनुसार, हवाई अड्डे पर उतरने वाले यात्रियों के लिए घरेलू और विदेशी उड़ानों के लिए यूडीएफ क्रमश= 270 रुपये और 525 रुपये होगा। यूडीएफ शुल्क को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए तदर्थ आधार पर अनुमोदित किया गया है। एईआरए ने कहा कि 31 मार्च 2026 तक या नियमित शुल्क के अंतिम निर्धारण तक अंतरिम उपाय के रूप में तदर्थ यूडीएफ लगाने की अनुमति देने का निर्णय लिया गया है।

रतन टाटा ने जिन शेयरों का वसीयत में नहीं किया जिक्र वह अब ट्रस्टों में बंटेंगे

लिस्टेड और अनलिस्टेड शेयरों के मामले को बॉम्बे हाईकोर्ट ने सुलझाया

मुंबई। मशहूर उद्योगपति रतन टाटा की वसीयत के मुताबिक ही संपत्तियों और चीजों का बंटवारा हुआ था, लेकिन जिन शेयरों के बारे में वह अपनी वसीयत में लिखकर नहीं गए, उनका क्या होगा? इसको लेकर जब यह मामला बॉम्बे हाईकोर्ट पहुंचा तो कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद आदेश दिया है कि रतन टाटा के लिस्टेड और अनलिस्टेड दोनों तरह के शेयरों पर अब मालिकाना हक रतन टाटा एंडाउमेंट फाउंडेशन और रतन टाटा एंडाउमेंट ट्रस्ट का होगा। जस्टिस मनीष पिटाले की बेंच ने यह फैसला सुनाया। जस्टिस मनीष पिटाले ने कहा कि रतन टाटा ने अपनी वसीयत में जिन चीजों का जिक्र नहीं किया था, उन पर मालिकाना हक उनकी ओर से स्थापित संस्थानों का होना चाहिए। बेंच ने कहा कि रतन टाटा एंडाउमेंट फाउंडेशन और रतन टाटा एंडाउमेंट ट्रस्ट की स्थापना रतन टाटा ने ही की थी। कोर्ट ने कहा कि लिस्टेड और अनलिस्टेड शेयर्स, जिनके बारे में रतन टाटा ने वसीयत में उल्लेख नहीं किया उनको उनके ही दोनों ट्रस्टों में समान रूप से बांटा जाता है। इस मामले में याचिका दायर की गई थी और कोर्ट से मांग की गई थी कि रतन टाटा के शेयरों के मालिकाना हक पर फैसला लिया जाए।

दरअसल बेंच में मुख्य सवाल यह उभरा कि रतन टाटा ने इन शेयरों के बारे में अपनी ओरिजिनल वसीयत में कुछ नहीं कहा था, लेकिन 22 दिसंबर, 2023 को संशोधन किया गया था। उसमें इसे शामिल किया गया। इसके बाद संशोधित वसीयत में कहा गया कि रतन टाटा की अन्य सभी संपत्तियां दो हिस्सों में बांटकर रतन टाटा की ही दो ट्रस्टों को दे दी जाएं। इनमें ही लिस्टेड और अनलिस्टेड शेयरों को भी शामिल कर लिया गया।

बता दें रतन टाटा का 9 अक्तूबर, 2024 को निधन हो गया था। उनका कोई पारिवारिक वारिस नहीं था और वे अविवाहित थे। रतन टाटा का नाम देश के औद्योगिक जगत में सम्मान से लिया जाता है।

रुपया बढ़त के साथ बंद

नई दिल्ली ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार के भारतीय रुपया सात पैसी की बढ़त के साथ ही 86.05 रुपये पर बंद हुआ। रुपये में ये बढ़त तेल की कीमतों में गिरावट से आई हैं। इससे पहले आज सुबह डॉलर के मुकाबले रुपया 64 पैसे मज़बूत होकर 86.11 पर पहुंचा, जो सोमवार को 86.75 पर बंद हुआ था। यह 13 मई के बाद रुपया की सबसे बड़ी शुरुआती तेज़ी रही है। हालांकि जून महीने में अब तक रुपया कुल 0.61 फीसदी गिर चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान और इजराइल के बीच पूर्ण सीज़फायर की घोषणा के बाद कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई।

ऑपरेशन सिंदूर को याद कर गौतम अदाणी ने कहा, भारत अपने दुश्मनों को उसी भाषा में जबाव देना जानता

अहमदाबाद।

अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने ऑपरेशन सिंदूर को सफलतापूर्वक अंजाम देने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना कर कहा कि उनके साहस ने हमें याद दिलाया कि शांति कभी मुफ्त नहीं मिलती, बल्कि अर्जित की जाती है। अदाणी एंटरप्राइजेज की सालाना आम बैठक (एजीएम) को संबोधित कर चेयरमैन ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, हमारे बहादुर पुरुष और महिला सैनिक वर्दी में खड़े थे। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर ने दिखाया कि भारत शांति की कीमत जानता है। लेकिन अगर कोई हमें आंख दिखाता है, तब हम उसको उसी भाषा में जवाब देना जानते हैं। गौतम अदाणी ने कहा, मैं आज यहां एक अध्यक्ष के रूप में नहीं, बल्कि एक नागरिक के रूप में खड़ा हूं। मैं हमारी सीमाओं, हमारे परिवारों और हमारी गरिमा की रक्षा करने वालों के मौन बलिदानों के प्रति सम्मान व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि अदाणी डिफेंस के ड्रोन भी ऑपरेशन सिंदूर का हिस्सा थे। गौतम अदाणी ने कहा, जहां तक अदाणी डिफेंस की बात है, तब ऑपरेशन सिंदूर ने आह्वान किया और हमने पूरा किया। हमारे ड्रोन ने आसमान में आंख की तरह काम किया और हमले के दौरान तलवार भी बने। अदाणी समूह के चेयरमैन ने 12 जून को अहमदाबाद में एयर इंडिया के बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान दुर्घटना के पीड़ितों को भी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, हम एयर इंडिया के विमान की दुखद घटना में मारे गए लोगों के लिए दुख में अपना सिर झुकाते हैं। कई सपने एक पल में हमेशा के लिए खामोश हो गए।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

तनाव बढ़ने से गंवाई सुबह की 1000 अंकों की बढ़त

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही इजरायल और ईरान के बीच सीजफायर की खबर से बाजार में तेजी आई और ये 1000 अंक ऊपर पहुंच गया पर कुछ देर बाद ही सीजफायर टूटने और तनाव बढ़ने से बाजार धारणा प्रभावित हुई जिससे निवेशकों ने निकासी शुरु कर दी और बाजार नीचे आने लगा। इससे कारोबार के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सत्र के शुरुआती समय की 1100 अंकों की बढ़त खोकर केवल 158.32 अंक की बढ़त के साथ ही 82,055.11 के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी केवल 72.45 अंक की हल्की तेजी के साथ 25,044.35 के स्तर पर रहा। सेंसेक्स में अदानी पोर्ट्स, टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व और टाइटन के शेयर सबसे ज्यादा ऊपर आये जबकि पावर ग्रिड, ट्रेंट, एनटीपीसी, मारुति, एचसीएल टेक और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर गिरे।

आज कारोबार के दौरान निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स में 1.4 फीसदी की तेजी दर्ज की गई, जबकि निफ्टी मेटल में 1.2 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। इलके अलावा, निफ्टी बैंक, ऑटो, प्राइवेट बैंक और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में भी तेजी देखी गई। इनमें से प्रत्येक में 0.7 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। वहीं दूसरी ओर गिरावट वाले शेयरों में निफ्टी मीडिया में 1 फीसदी की कमी आई। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 1.50 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। वहीं गत दिवस सोमवार को शेयर बाजार में 1,874.38 करोड़ रुपये की तेजी आई जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 5,591.77 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। बाजार में संघर्ष विराम की घोषणा और कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट के कारण आई शुरुआती बढ़त कुछ समय में ही हवा हो गयी क्योंकि सीजफायर टूटने की खबरों से निवेशकों में घबराहट आई और उन्होंने अपनी रकम निकालना शुरु कर दिया।

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग काफी ऊपर बंद हुए। वहीं यूरोपीय बाजार मध्य सत्र के कारोबार में बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। सोमवार को अमेरिकी बाजार सकारात्मक क्षेत्र में बंद हुए। उधर, वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 3.20 फीसदी गिरकर 69.13 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। वहीं आज सुबह अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के इजरायल-ईरान युद्ध विराम की घोषणा के बाद बाजार तेजी के साथ खुले। सेंसेक्स 600 से ज्यादा अंक चढ़कर 82,534.61 पर खुला। खुलते ही इसमें तेजी बढ़ गई। यह 922.27 अंक की बढ़त लेकर 82,819.06 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह निफ्टी भी मजबूत शुरुआत के साथ 25,179.90 पर खुला। यह 263.45 अंक की बढ़त के साथ 25,235.35 पर कारोबार कर रहा था। वहीं मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच विदेशी निवेशकों की बिकवाली के दबाव में बेंचमार्क निफ्टी और सेंसेक्स सूचकांक में गत दिवस गिरावट रही थी। सीजफायर की घोषणा के बाद एशिया के शेयर बाजारों में 2.5 फीसदी तक की बढ़त देखी गई। दक्षिण कोरिया के कोस्पी में 2.5 फीसदी की तेजी आई। जबकि ताइवान में 2 फीसदी की तेजी आई।

अदाणी समूह ने देश का पहला ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट सफलतापूर्वक चालू किया

भारत को ग्लोबल ग्रीन हाइड्रोजन हब बनने की तैयारी

अहमदाबाद । अदाणी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एएनआईएल) ने भारत में स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में एक बड़ी पहल कर गुजरात के कच्छ जिले में देश का पहला ऑफ-ग्रिड 5 मेगावॉट ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट सफलतापूर्वक चालू किया है। यह प्लांट पूरी तरह सौर ऊर्जा से चलता है और इसमें बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम भी लगा है, जिससे यह बिजली की मुख्य लाइन से पूरी तरह फ्री रहकर काम करता है। यानी यह प्लांट बिना किसी बाहरी सप्लाई के सिर्फ अपनी पैदा की गई हरित ऊर्जा से हाइड्रोजन बना सकता है।

यह प्रोजेक्ट भारत के राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के मकसद से जुड़ा हुआ है, इसका उद्देश्य ऊर्जा के साफ और स्वदेशी स्रोतों को बढ़ावा देना है। अदाणी समूह का यह प्रोजेक्ट देश को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ ऊर्जा आयात पर निर्भरता कम करने की दिशा में भी अहम है। बात दें कि ये प्लांट अपने आप में खास है क्योंकि यह 100 प्रतिशत ग्रीन है और सोलर एनर्जी से चलता है। इसमें एक बंद सर्कुलर इलेक्ट्रोलाइजर सिस्टम लगाया गया है जो सौर ऊर्जा में आने वाले उतार-चढ़ाव के अनुसार तुरंत प्रतिक्रिया देता है। यानी जब सोलर एनर्जी कम या ज्यादा हो, तब भी यह सिस्टम काम करता रहता है। यह तकनीक प्लांट को ज्यादा सुरक्षित, फ्लैक्सिबल और किफायती बनाती है।

यह प्लांट तकनीकी रूप से यह दिखाता है कि भारी प्रदूषण फैलाने वाले क्षेत्रों जैसे रिफाइनरी, खाद कारखानों और भारी वाहनों में भी हाइड्रोजन का स्वच्छ रूप से उत्पादन और इस्तेमाल संभव है। अदाणी ग्रुप का यह प्रोजेक्ट आने वाले समय में इसतरह के बड़े इंडस्ट्री प्रोजेक्ट्स के लिए एक शानदार उदाहरण बनेगा। यह पायलट प्रोजेक्ट अदाणी के अगले बड़े ग्रीन हाइड्रोजन हब का रास्ता तैयार करता है, इस गुजरात के मुंद्रा में तैयार किया जाएगा। इस हब के जरिये भारत का हाइड्रोजन उत्पादन काफी बढ़ेगा और देश के कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद मिलेगी।

दरअसल अदाणी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एएनआईएल), अदाणी एंटरप्राइजेज की क्लीन यूनिट है। यह ग्रीन हाइड्रोजन और इसके डेरिवेटिव प्रोडक्ट जैसे ग्रीन अमोनिया, ग्रीन मेथनॉल और सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल के निर्माण और आपूर्ति में काम करती है। मुंद्रा में यह कंपनी सोलर सेल, मॉड्यूल, विंड टरबाइन और इलेक्ट्रोलाइजर भी बना रही है, जिससे भारत और विदेशी बाजारों की जरूरतें पूरी हो सकें।

बात दें कि हाइड्रोजन दुनिया का सबसे हल्का और सबसे साफ एनर्जी साधन है। इसके जलने पर सिर्फ पानी की भाप निकलती है, यानी कोई प्रदूषण नहीं होता। यही वजह है कि दुनिया भर में ग्रीन हाइड्रोजन को ऊर्जा के भविष्य के तौर पर देखा जा रहा है।

एसएंडपी ने भारत की जीडीपी विकास दर का अनुमान बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत किया

नई दिल्ली । ग्लोबल रेटिंग्स एजेंसी एसएंडपी ने मंगलवार को भारत की जीडीपी विकास दर का अनुमान बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया है। रेटिंग्स एजेंसी ने इसकी वजह सामान्य मानसून, कच्चे तेल की कम कीमतें आदि को बताया है। हालांकि एसएंडपी ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव के चलते वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए खतरे की भी आशंका जताई है। एसएंडपी ने कहा कि मौजूदा समय में वैश्विक ऊर्जा बाजार पर लंबे समय तक असर पड़ने की आशंका कम ही है। भारत अपनी जरूरत का 85-90 प्रतिशत तेल आयात करता है और आधी प्राकृतिक गैस विदेशों से मंगवाता है। एसएंडपी ने बीते महीने वित्तीय वर्ष 2026 के लिए भारत की विकास दर में 20 अंकों की कमी कर इसे 6.3 प्रतिशत बताया था। एजेंसी ने इसकी वजह वैश्विक अनिश्चितता और अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ को बताया था। एसएंडपी का अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा इस महीने जताए गए अनुमान से मिल रहा है। रिजर्व बैंक ने भी भारत की विकास दर वित्तीय वर्ष 2026 के लिए 6.5 प्रतिशत बताई थी। एसएंडपी ने अपनी रिपोर्ट में ये भी आशंका जताई है कि अमेरिका के टैरिफ प्लान से व्यापार, निवेश और वैश्विक विकास को नुकसान होगा।

भारत से 10 अरब डॉलर के उत्पाद मंगाने आपूर्तिकर्ताओं के साथ काम जारी: वॉलमार्ट सीईओ

नई दिल्ली ।

वॉलमार्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (वैश्विक) डग मैकमिलन ने मंगलवार को कहा कि उनकी कंपनी अपने वैश्विक परिचालन के लिए भारत से 10 अरब डॉलर का सामान मंगाने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए भारत में आपूर्तिकर्ताओं के साथ काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि वॉलमार्ट ने पिछले कुछ वर्षों में भारत से अपनी खरीद बढ़ा दी है और वह इस प्रगति से उत्साहित है। पिछले कुछ वर्षों में आप देख सकते हैं कि स्थिति कैसे बदल रही है और यह वास्तव में व्यापक और अधिक दिलचस्प होती जा रही है। बेंटनविले मुख्यालय वाली खुदरा दिग्गज कंपनी ने 2027 तक भारत से 10 अरब अमेरिका डालर के उत्पाद मंगाने का लक्ष्य रखा है जिसका उद्देश्य परिधान, खाद्य, खिलौने और अन्य श्रेणियों में निर्यात को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि शुरुआत में हम यहां से सीमित श्रेणियों के उत्पाद ले रहे थे, लेकिन अब हम इसका विस्तार करने के लिए उत्सुक हैं। सीईओ ने कहा कि इसमें काफी वृद्धि हुई है और अब हमारा लक्ष्य इसे प्रति वर्ष 10 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाना है, जो वास्तव

में एक बड़ा आंकड़ा है और आपूर्तिकर्ता समुदाय के साथ मिलकर हम इसे प्राप्त करने के लिए काम कर रहे हैं। डग मैकमिलन दो दिवसीय भारत यात्रा पर हैं। यहां उन्होंने वॉलमार्ट की भारत में विकास गाथा का उल्लेख किया जिसमें निर्यात, डिजिटल नवाचार, समावेशी आपूर्ति श्रृंखलाओं का निर्माण व समुदायों को सशक्त बनाना शामिल है। इसके अलावा, उन्होंने कुछ विक्रेताओं से भी बातचीत की जिन्हें आपूर्तिकर्ता विकास कार्यक्रम वॉलमार्ट वृद्धि के तहत प्रशिक्षित किया गया है।

आदानी डिफेंस बनी सेना की आंख और ढाल

- 'ऑपरेशन सिन्दूर' में अहम भूमिका पर बोले गौतम अदाणी
- अदाणी समूह की 33वीं वार्षिक आम सभा
- मुंबई एयरपोर्ट ने अपोलो समूह से जुटाए 750 मिलियन डॉलर

मुंबई ।

गौतम अदाणी ने ऑपरेशन सिन्दूर में अदाणी डिफेंस की भूमिका पर गर्व जताते हुए कहा कि हमारी ड्रोन टेक्नोलॉजी भारतीय सेना की आंखें और आक्रमण की तलवार बनी। यह बयान उन्होंने मंगलवार को अदाणी समूह की 33वीं वार्षिक आम सभा में दिया।

उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिन्दूर ने हमें याद दिलाया कि शांति मुफ्त नहीं मिलती। यह हमारे सैनिकों की बहादुरी और कर्तव्यनिष्ठा से अर्जित होती है। जब देश को जरूरत होती है, हम वहीं खड़े होते हैं।

हमारी एंटी-ड्रोन प्रणाली ने सैनिकों और नागरिकों दोनों की रक्षा की। गौरतलब है कि यह सैन्य अभियान 7 मई को कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के बाद शुरू किया गया था।

मुंबई एयरपोर्ट ने जुटाए 750 मिलियन डॉलर

मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एमआईएल), जो अदाणी समूह के अधीन है, ने न्यूयॉर्क स्थित एपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट के नेतृत्व में निवेशकों के एक समूह से 750 मिलियन डॉलर जुटाए हैं। इस राशि का उपयोग पुराने कर्ज चुकाने और एयरपोर्ट के विस्तार कार्यों के लिए किया जाएगा। अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स के सीईओ अरुण बंसल ने कहा, इस फंडिंग से हमें ऑपरेशनल लचीलापन मिलेगा और हम यात्रियों को और बेहतर अनुभव देने की दिशा में तेजी से काम कर सकेंगे। मुंबई एयरपोर्ट अब अगले पांच वर्षों में करीब ₹10,000 करोड़ का निवेश करेगा, जिससे इसकी वार्षिक क्षमता 54.8 मिलियन से बढ़कर 229 मिलियन यात्रियों तक पहुंच जाएगी।

इसके अलावा, अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स ने इसी महीने बार्कलेज, फर्स्ट अबू धाबी बैंक और स्टैंडर्ड चार्टर्ड जैसे अंतरराष्ट्रीय बैंकों से भी 750 मिलियन डॉलर जुटाए थे, जिसमें से 400 मिलियन कर्ज चुकाने और बाकी देशभर के छह एयरपोर्ट्स के विकास में उपयोग किया जाएगा।

गौतम अदाणी इस समय 64.5 बिलियन की संपत्ति के साथ भारत के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति हैं।

जूपीटर वेगंस का साल 2029 तक 10,000 करोड़ की सालाना कमाई का लक्ष्य

- कंपनी का शेयर 372 पर, टारगेट प्राइस 431 रुपए तय

नई दिल्ली ।

रेलवे और सड़क ट्रांसपोर्ट के क्षेत्र में काम करने वाली कंपनी जूपीटर वेगंस को लेकर एंटीक स्टॉक ब्रोकिंग ने होल्ड रेटिंग जारी रखी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनी के पास तेज़ी से बढ़ने की पूरी तैयारी है और वह साल 2029 तक 10,000 करोड़ की सालाना कमाई का लक्ष्य लेकर चल रही है। फिलहाल कंपनी का शेयर 372 पर कारोबार कर रहा है और इसका टारगेट प्राइस 431 रुपए तय किया गया है, यानी इसमें करीब 16 फीसदी का संभावित मुनाफा हो सकता है। जूपीटर वेगंस का बड़ा हिस्सा रेलवे के फ्रेट वैगनों से जुड़ा है, लेकिन पिछले कुछ महीनों से व्हीलसेट की कमी के कारण ऑर्डर की डिलीवरी में दिक्कतें आ रही हैं। यह समस्या रेलवे की व्हील फैक्ट्री से सप्लाई में कमी के कारण हुई है। कंपनी को उम्मीद है कि यह परेशानी जुलाई 2025 तक खत्म हो जाएगी। अभी कंपनी की कमाई का 60 फीसदी हिस्सा प्राइवेट ग्राहकों से आता है, जहां ऑर्डर की रफ्तार अच्छी बनी हुई है। साथ ही सरकार की तरफ से साल के अंत में नए वैगन टेंडर की उम्मीद भी जताई गई है। जूपीटर की सहायक कंपनी जेईएम ने इंदौर में अपना पहला इलेक्ट्रिक लाइट कमर्शियल वाहन लॉन्च किया है। यह गाड़ी भारत के लॉजिस्टिक सेक्टर को टारगेट करती है। कंपनी ने बताया कि अगले वित्त वर्ष में करीब 500 गाड़ियां बेचने का लक्ष्य है। इसके अलावा 2 टन और 3 टन की दो और गाड़ियां अगले दो साल में लॉन्च होंगी।

एक्मे सोलर की राजस्थान में 300 मेगावाट की सीकर परियोजना चालू

नई दिल्ली ।

एक्मे सोलर होल्डिंग ने राजस्थान में सीकर सौर परियोजना में 60 मेगावाट की अतिरिक्त क्षमता जोड़ते हुए अपनी 300 मेगावाट की इस परियोजना शुरु कर दी है। कंपनी ने मंगलवार को घोषणा की कि इस तिमाही के शुरू में कंपनी ने परियोजना की कुल 300 मेगावाट क्षमता में से 240 मेगावाट को आंशिक रूप से चालू कर दिया। इस उपलब्धि के साथ एक्मे सोलर की कुल परिचालन क्षमता बढ़कर 2,890 मेगावाट हो

गई है। बयान के अनुसार एक्मे सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड ने अतिरिक्त 60 मेगावाट क्षमता चालू करने के बाद राजस्थान में एक्मे सीकर सौर परियोजना में अपनी 300 मेगावाट की पूरी अक्षय ऊर्जा क्षमता चालू कर दी है। भारत के सबसे अधिक सौर विकिरण क्षेत्रों में से एक राजस्थान के बीकानेर में 1300 एकड़ में फैली यह परियोजना 220 केवी पर बीकानेर-2 सबस्टेशन से जुड़ी है। इससे प्रतिवर्ष करीब 78 करोड़ यूनिट (एमयू) नवीकरणीय ऊर्जा उत्पन्न होने की उम्मीद है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इंग्लैंड / भारत पहले टेस्ट का पांचवां दिन : बेन डकेट ने खेली शतकीय पारी, बारिश के चलते रुका मैच

लीड्स (एजेंसी)। इंग्लैंड और भारत के बीच पहले टेस्ट का आज पांचवां दिन है। भारत को जीत के लिए 10 विकेट की जरूरत है जबकि इंग्लैंड को एक दिन में जीत के लिए 350 रन बनाने होंगे। जैक क्रॉली और बेन डकेट क्रीज पर हैं। डकेट ने 121 गेंदों पर अपना शतक पूरा कर लिया, जो टेस्ट क्रिकेट में उनका छठा शतक है। हालांकि बारिश के चलते मैच रूक गया है और इंग्लैंड ने बिना कोई विकेट गंवाए 181 रन भी बना लिए हैं।

भारत ने सोमवार को यहां पहले क्रिकेट टेस्ट के चौथे दिन विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत (118 रन) और सलामी बल्लेबाज केएल राहुल (137 रन) की शतकीय पारियों से दूसरी पारी में 364 रन बनाकर इंग्लैंड को जीत के लिए 371 रन का लक्ष्य दिया जिसने स्टंप तक बिना विकेट गंवाए 21 रन बना लिए। दिन का खेल खत्म होने पर बेन डकेट नौ और जाक क्राउली 12 रन बनाकर खेल रहे थे। भारत ने पहली पारी में 471 रन और इंग्लैंड ने पहली पारी में 465 रन बनाए थे।

जसप्रीत बुमराह (83 रन पर पांच विकेट) के पांच विकेट से इंग्लैंड को 465 रन पर आउट करने के बाद भारत ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 90 रन बनाकर पहले क्रिकेट टेस्ट के वर्षा से प्रभावित तीसरे दिन अपनी कुल बढ़त 96 रन तक पहुंचाई। सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल (नाबाद 47, 75 गेंद, सात चौके) और साई सुदर्शन (30) ने दूसरे विकेट के लिए 66 रन जोड़े लेकिन इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स (18 रन पर एक विकेट) ने दिन का खेल खत्म होन से कुछ समय पहले सुदर्शन को जैक क्राउली के हाथों कैच कराके इस साझेदारी को तोड़ा।

बारिश के कारण जब समय से पहले दिन का खेल समाप्त किया गया तब कप्तान शुभमन गिल छह रन बनाकर राहुल का साथ निभा रहे थे। इससे पहले बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा (128 रन पर तीन विकेट) और मोहम्मद सिराज (122 रन पर दो विकेट) ने पहली पारी के आधार पर इंग्लैंड पर भारत को छह रन की मामूली बढ़त दिलाई। हैरी ब्रूक (99 रन, 112 गेंद, 11 चौके, दो छक्के) एक रन से शतक से चूक गए जबकि ओली पोप ने 106 रन बनाए। बुमराह ने जोश टंग (11) को बोल्ड करके इंग्लैंड की पारी का अंत किया लेकिन इससे पहले निचले क्रम में क्रिस वोक्स (55 गेंद में 38 रन) ने तेजी से रन जुटाकर मेजबान टीम को भारत के 471 रन के स्कोर के करीब पहुंचाया।

दूसरी पारी में भारत की शुरुआत खराब रही और पहली पारी में शतक जड़ने वाले यशस्वी जायसवाल सिर्फ चार रन बनाने के बाद चौथे ओवर में ब्राइडन कार्स की गेंद पर विकेटकीपर जेमी स्मिथ को कैच दे बैठे। सलामी बल्लेबाज राहुल और सुदर्शन ने इसके बाद पारी को संभाला। राहुल ने वोक्स पर दो चौकों के साथ शुरुआत की जबकि पहली पारी में बिना रन बनाए पवेलियन लौटे सुदर्शन ने कार्स पर चौके से टेस्ट क्रिकेट में अपने रनों का खाता खोला। राहुल और सुदर्शन दोनों ने संभलकर बल्लेबाजी की।

राहुल ने 10वें ओवर में कार्स पर भी दो चौके मारे और फिर शोएब बशीर पर चौके के साथ 13वें ओवर में टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया। सुदर्शन ने बेन स्टोक्स पर चौका मारा लेकिन 24 रन के स्कोर पर भाग्यशाली रहे जब जोश टंग की गेंद पर बेन डकेट ने बैकवर्ड प्वाइंट पर उनका कैच टपका दिया। सुदर्शन हालांकि इसका फायदा नहीं उठा पाए और स्टोक्स की गेंद पर शॉर्ट मिड विकेट पर क्राउली को कैच दे बैठे। इससे पहले शुरुआती दो सत्र में इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने तेजी से रन बनाए। टीम ने सुबह के सत्र में 28 ओवर में 118 रन बनाने के बाद दूसरे सत्र में 23.4 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 138 रन जुटाए। प्रसिद्ध ने शॉर्ट गेंद पर जेमी स्मिथ (40) और ब्रूक को आउट किया लेकिन अपनी 20 ओवर की गेंदबाजी में रन गति पर अंकुश लगाने में नाकाम रहे।

गेंदबाजी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने सिर्फ छह ओवर गेंदबाजी की जिससे उनके चयन पर सवाल उठने लगे हैं। बुमराह पूरी पारी के दौरान भारत के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 14वीं बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट चटकाए। मैच में अब तक भारत का क्षेत्ररक्षण उसकी सबसे कमजोर कड़ी रही है। ब्रूक को 82 रन पर बुमराह की गेंद पर यशस्वी जायसवाल ने दूसरा जीवनदान दिया। ब्रूक हालांकि इन मौकों का फायदा उठाकर शतक नहीं बना सके और 88वें ओवर में 99 रन के स्कोर पर प्रसिद्ध की गेंद पर शार्दुल को कैच दे बैठे। भारत ने 80 ओवर के बाद नई गेंद ली थी लेकिन टीम इसका अच्छा इस्तेमाल नहीं कर पाई। टेस्ट शतक (भारत के खिलाफ 2018 में) जड़ चुके वोक्स ने सत्र के अंत में प्रसिद्ध की लगातार गेंदों पर मिड विकेट और थर्ड मैन पर छक्के मारे। उन्हें बुमराह ने बोल्ड किया जबकि सिराज ने ब्राइडन कार्स (22) की पारी का अंत किया।

इससे पहले इंग्लैंड ने दिन की शुरुआत तीन विकेट पर 209 रन से की। भारत ने सुबह के सत्र में कल के शतकवीर ओली पोप (106 रन, 137 गेंद, 14 चौके) और इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स (20) के विकेट चटकाए। दूसरे दिन की तरह तीसरे दिन भी प्रसिद्ध, शार्दुल और सिराज की तिकड़ी अपने साथी तेज गेंदबाज बुमराह की तरह सटीक गेंदबाजी करने में नाकाम रही। दूसरे दिन का खेल खत्म होने से पहले बुमराह की नोबॉल पर आउट होने वाले ब्रूक को 46 रन के निजी स्कोर पर जीवनदान मिला जब बाएं हाथ के स्पिनर रविंद्र जडेजा की तेजी से स्पिन होती गेंद पर विकेटकीपर ऋषभ पंत उनका कैच लपकने में नाकाम रहे। इसी ओवर में ब्रूक ने अपना 12वां टेस्ट अर्धशतक पूरा किया जिससे भारतीय टीम की हताशा बढ़ गई जिसने अब तक मैच में कई कैच टपकाए हैं।

नवम्बर में नहीं होगी क्रिकेटर रिंकू सिंह और सांसद प्रिया सरोज की शादी

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह और समाजवादी पार्टी की सांसद प्रिया सरोज ने कथित तौर पर अपनी शादी को स्थगित कर दिया है, जो मूल रूप से 19 नवंबर 2025 को होनी थी। इस महीने की शुरुआत में लखनऊ में एक भव्य समारोह में सगाई करने वाले इस जोड़े ने शादी के लिए वाराणसी के ताज होटल को बुक किया था। लेकिन नवंबर के दौरान भारतीय क्रिकेट टीम के साथ रिंकू की पेशेवर प्रतिबद्धताओं के कारण योजनाओं में बदलाव हुआ है। एक रिपोर्ट के अनुसार, शादी अब फरवरी 2026 में होगी।

रिंकू सिंह और प्रिया सरोज की सगाई इसी महीने 8 तारीख को हुई थी। यह एक निजी कार्यक्रम था जिसमें परिवार और करीबी सदस्य मौजूद थे। सगाई समारोह में सपा प्रमुख अखिलेश यादव, अभिनेता जया बच्चन और भारतीय तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार सहित कई प्रमुख हस्तियां शामिल हुईं। रिंकू ने सोशल मीडिया पर समारोह के दिल को छू लेने वाले पलों को साझा करते हुए बताया कि इस जोड़े ने इस पल का कितना लंबा इंतजार किया था।

हाल ही में 2025 के आईपीएल सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलने वाले रिंकू सिंह भारतीय क्रिकेट में एक जाना-माना नाम बन गए हैं। पहली बार सांसद बनीं प्रिया सरोज ने 2024 के आम चुनाव में अपनी सीट पक्की की। वाराणसी के करखियांव गांव की रहने वाली प्रिया कई सालों से राजनीति में सक्रिय हैं और पहली बार अपने पिता (तुफानी सरोज) के 2022 के चुनाव प्रचार के दौरान लोगों की नजरों में आईं।

आईसीसी ने ऋषभ को अंपायर के फैसले पर नाराजगी जताने के लिए फटकारा

लीड्स (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के उपकप्तान ऋषभ पंत को अंपायर के फैसले पर नाराजगी जताने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने फटकार लगायी है हालांकि वह प्रतिबंध से बच गये। आईसीसी ने ऋषभ को फटकार लगायी है और उनके खाते में एक नकारात्मक अंक जोड़ा गया है। इस मैच में ऋषभ की गेंद बदलने की अपील को अंपायर ने जांच के बाद खारिज कर दिया था जिससे नाराज होकर उन्होंने गेंद को फेंक दिया था। इसी कारण ऋषभ को आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया। पंत को प्लेयर्स एंड प्लेयर्स सपोर्ट स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन करते हुए पाया गया, जो 'अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति दिखाने' से जुड़ा है।

फटकार के भारतीय उपकप्तान के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक नकारात्मक अंक जोड़ा गया है। 24 महीने की अवधि में यह उनका पहला अपराध था। यह घटना इंग्लैंड की पहली पारी के 61वें ओवर के अंत में हुई, जब अंपायरों ने गेंद बदलने की मांग पर गेज से की जांच की और इसे नहीं बदलने का फैसला किया। भारतीय खिलाड़ी ने अंपायरों के सामने गेंद को जमीन पर फेंककर अंपायरों के फैसले पर असहमति दिखाई। ऋषभ ने हालांकि अपने इस अपराध को स्वीकार कर लिया और मैच रेफरी रिची रिचर्डसन द्वारा प्रस्तावित सजा को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की आगे जरुरत नहीं रही।

यशस्वी को मिली ब्रेडमैन के विशिष्ट क्लब में जगह

लीड्स (एजेंसी)। यहां इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा और उसकी ओर से पांच शतक लगे। इस मैच में सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे भारतीय टीम के यशस्वी जायसवाल को अपने अच्छे प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया के सर्वकालिक महान बल्लेबाज डॉन ब्रेडमैन के विशिष्ट क्लब में जगह मिली है। यशस्वी ने पहली पारी में शतक लगाया। इससे वह इंग्लैंड के खिलाफ कम से कम 500 टेस्ट रन बनाने वाले बल्लेबाजों में औसत के मामले में महान बल्लेबाज डॉन ब्रेडमैन, स्टीवी डेंप्स्टर, वॉरेंस रो और जॉर्ज हेडली के विशिष्ट क्लब में जगह बनाने में सफल हुए।

यशस्वी ने इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स टेस्ट की पहली पारी में 159 गेंदों में 101 रन बनाए। इस प्रकार यशस्वी ने इंग्लैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा औसत से टेस्ट रन बनाने के मामले में ब्रेडमैन का रिकॉर्ड तोड़ दिया था। इंग्लैंड के खिलाफ यशस्वी का औसत 90.33 रहा जबकि ब्रेडमैन का औसत 89.78 का है। हालांकि, दूसरी पारी में यशस्वी सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हो गए। इससे उनका औसत गिरकर 81.70 हो गया।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में सबसे ज्यादा औसत वाले बल्लेबाजों में शीर्ष पर ब्रेडमैन हैं।

ब्रेडमैन ने इंग्लैंड के खिलाफ 89.78 की औसत से 5,028 टेस्ट रन बनाए थे। वहीं दूसरे नंबर पर स्टीवी डेंपस्टर हैं।

डेंपस्टर ने अंग्रेजों के खिलाफ 88.42 की औसत से 619 रन बनाए थे जबकि यशस्वी सूची मेंतीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ अब तक 6 टेस्ट मैच की 11 पारियों में कुल 817 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 81.70 का रहा है। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में अब तक 3 शतक और इतने ही अर्धशतक लगाये हैं। लॉरेंस रो इस सूची में चौथे नंबर पर हैं। रो ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में 74.20 की औसत से 742 रन बनाए हैं। सूची में वह चौथे नंबर पर हैं। वहीं पांचवें नंबर पर जॉर्ज हेडली हैं1 हेडली ने इंग्लैंड के खिलाफ 71.23 की औसत से 1852 टेस्ट रन बनाए हैं।

पहले टेस्ट के पांचवें दिन भी काली पट्टी बांधकर खेले खिलाड़ी

लीड्स । भारत और इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने मंगलवार को यहां पहले टेस्ट मैच के पांचवें दिन का खेल शुरू होने से पहले पूर्व स्पिनर दिलीप दोशी की याद में एक मिनट का मौन रखा और काली पट्टी बांधी। भारत के पूर्व स्पिनर दोशी का सोमवार को लंदन में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। वह 77 वर्ष के थे। उन्होंने भारत की तरफ से

33 टेस्ट मैच में 114 विकेट लिए थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, 'दोनों टीमें पूर्व भारतीय क्रिकेटर दिलीप दोशी की याद में आज काली पट्टी बांध कर खेल रही हैं। दोनों टीमों ने पांचवें दिन की शुरुआत से पहले एक मिनट का मौन भी रखा।' दोशी एक दशक से भी अधिक समय तक इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में खेलते रहे। इस दौरान उन्होंने नॉटिंघमशर और वारविकशर का प्रतिनिधित्व किया। गौर हो कि भारत ने सोमवार को यहां पहले क्रिकेट टेस्ट के चौथे दिन विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत (118 रन) और सलामी बल्लेबाज केएल राहुल (137 रन) की शतकीय पारियों से दूसरी पारी में 364 रन बनाकर इंग्लैंड को जीत के लिए 371 रन का लक्ष्य दिया जिसने स्टंप तक बिना विकेट गंवाए 21 रन बना लिए। पांचवें दिन इंग्लैंड ने बेन डकेट और जाक क्राउली की मदद से बिना विकेट गंवाए 108 रन बना लिए हैं।

भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट में हो सकती है आर्चर की वापसी

लीड्स । इंग्लैंड के रहस्यमयी तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भारत के खिलाफ दो जुलाई से शुरू हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में खेल सकते हैं। आर्चर अब अपनी चोट से उबर गये हैं और व डरहम में ससेक्स की ओर से काउंटी चैम्पियनशिप मैच खेलने जा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, ''आर्चर ससेक्स के लिये लाल गेंद के क्रिकेट में वापसी करेंगे हालांकि उनका नाम काउंटी चैम्पियनशिप के इस मैच की टीम में नहीं था। अगर वह मैच खेल पाते हैं तो भारत के खिलाफ एडबस्टन में दूसरे टेस्ट के लिए उन्हे शामिल किया जा सकता है।'' आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के लिये खेलने वाले आर्चर चोटों के कारण चार साल से फर्स्ट क्लास क्रिकेट से बाहर हैं। आर्चर ने साल 2021 से ही इंग्लैंड के लिए लाल गेंद का क्रिकेट नहीं खेला है, ऐसे में 4 साल बाद उनकी टीम में वापसी इंग्लैंड के लिए विशेष होगी। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने इस महीने की शुरूआत में ही कहा था कि आर्चर लाल गेंद के क्रिकेट में वापसी करना चाहते हैं। उन्होंने कहा था, ''कई बार वह मुझे संदेश भेजता है। मैंने उसे यही सलाह दी कि जल्दबाजी नहीं करे। वह चोटों से काफी परेशान रहा है। उसकी वापसी इंग्लैंड के लिये महत्वपूर्ण होगी। उम्मीद है कि वह टेस्ट क्रिकेट में चयन के लिये उपलब्ध होगा।'' आर्चर अपने करियर में चोटों से खासे परिशान रहे हैं। इसी कारण वह आईपीएल में भी काफी कम खेल पाये हैं। वह अगर दूसरे टेस्ट में वापसी करते हैं तो इंग्लैंड का गेंदबाजी आक्रमण जरुर बेहतर होगा।

वेस्टइंडीज की महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका को छह विकट से हराया, सीरीज भी जीती

एंटवर्प (एजेंसी)। केव हिल, 24 जून (वेब वार्ता)। कप्तान हेली मैथ्यूज (65 रन/एक विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत वेस्टइंडीज ने तीसरे टी-20 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को छह विकेट से हराया है। इसी के साथ वेस्टइंडीज ने तीन मैचों की सीरीज भी 2-1 से अपने नाम कर ली है।

दक्षिण अफ्रीका के 148 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 32 रन पर अपने दो विकेट गवां दिये। किआना जोसेफ (छह) और रीलेआना ग्रिमोंड (पांच) रन बनाकर आउट हुई। संकटमोचक के रूप में बल्लेबाजी करने आयी शमैन कैंपबेल ने कप्तान हेली मैथ्यूज के साथ पारी को संभाला और तीसरे विकेट लिये 82 रनों की साझेदारी कर अपनी टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाया। 16वें ओवर मैरीजान कप्प ने शमैन कैंपवेल को अपनी ही गेंद पर कैच आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। कैंपवेल ने 38 गेंदों में दो चौके और एक छक्के की मदद से (42) रनों की पारी खेली। 18वें ओवर में सुने लूस ने हेली मैथ्यूज को बोल्ड कर वेस्टइंडीज को बड़ा झटका दिया। हेली मैथ्यूज ने 50 गेंदों में नौ चौकों और एक छक्के की मदद से (65) रनों की पारी खेली। शिनेल हेनरी 11 गेंदों में (20) रन बनाकर नाबाद रही। वेस्टइंडीज ने 18.3 ओवर में चार विकेट पर 148 रन बनाकर मुकाबला छह विकेट से जीत लिया।

दक्षिण अफ्रीका की ओर से मैरीजान कप्प ने दो विकेट लिये। सुने लूस और ए खाका ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। मैच में 65 रन बनाने और एक विकेट लेने वाली हेली मैथ्यूज को 'प्लेयर ऑफ द मैच' तथा सीरीज में भी बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यज को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज से नवाजा गया।

इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने सोमवार देर रात टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका ने निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 147 रन का स्कोर खड़ा किया। कप्तान लॉरा वुलफार्ट ने 24 गेंदों में (28), तेजमिन ब्रिट्स (20) और सुने लूस ने (13) रन का योगदान दिया। मियान स्मिट ने 38 गेंदों में सात चौके और एक छक्का लगाते हुए (नाबाद 59) रनों की पारी खेली। एन डी क्लार्क (पांच) रन बनाकर नाबाद रही। वेस्टइंडीज की ओर से करिश्मा रामहैरक और ऐफी फ्लेचर ने दो-दो विकेट लिये। एस हेक्टर और हेली मैथ्यूज ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

बांग्लादेश ने श्रीलंका दौरे के लिए घोषित की टीम, लिटन की वापसी

ढाका । बांग्लादेश ने श्रीलंका के खिलाफ अगले महीने होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। इस टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास की वापसी के अलावा चार अन्य खिलाड़ियों को भी जगह मिली है। ये एकदिवसीय सीरीज 2, 5 और 8 जुलाई को होगी। पहले दो मैच कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेले जाएंगे जबकि अंतिम मैच पल्लेकेले में खेला जाएगा। मुख्य चयनकर्ता गाजी अशरफ हुसैन ने कहा कि लिटन को हाल ही में बांग्लादेश की टी20 टीम के कप्तान के रूप में नियुक्त किए जाने के कारण टीम में जगह दी गयी हालांकि उनका फार्म पिछले कुछ समय से खराब रहा है। अशरफ ने कहा, लिटन खराब दौर से गुजर रहे थे पर समय के साथ सब ठीक हो जाता है। वह टी20 कप्तान हैं, इसलिए हम अगले टी20 विश्व कप तक उनके बारे में विचार कर सकते हैं। अगर किसी को फॉर्म में आना है तो उसे मैदान पर समय बिताना होगा। हमें लगता है कि लिटन अपनी फॉर्म को एकदिवसीय से टी20 में ले जा सकते हैं। वहीं टीम में शामिल नए खिलाड़ियों में मोहम्मद नईम, शमीम हुसैन, तनवीर इस्लाम और हसन महमूद हैं। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज नईम ने अंतिम बार सितंबर 2023 में एकदिवसीय खेला था, जबकि बाएं हाथ के स्पिनर तनवीर को पहली बार एकदिवसीय टीम में जगह मिली है। तनवीर ने अबतक छह टी20 मैच खेले हैं।

टीम इस प्रकार है: मेहदी हसन मिराज (कप्तान), तनजीद हसन, परवेज हुसैन इमोन, मोहम्मद नईम, नजमुल हुसैन शान्तो, तौहीद हृदोय, लिट्टन दास, जेकर अली, शमीम हुसैन, रिशाद हुसैन, तनवीर इस्लाम, मुस्तफिजुर रहमान, तनजीम हसन, तस्कीन अहमद, नाहिद राणा, हसन महमूद।

दिनेश कार्तिक ने बुमराह की तुलना कोहिनूर से की

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि वह कोहिनूर हीरे की तरह कीमती खिलाड़ी हैं। कार्तिक ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में जबरदस्त गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट लिए जिससे वह पहली पारी में 465 रन ही बना पायी। कार्तिक ने बुमराह की गेंदबाजी को देख कर ही उनकी तुलना बेशकीमती कोहिनूर हीरे से की है। कार्तिक ने बुमराह के लिए कहा, वह कोहिनूर हीरे की तरह कीमती है। वह सभी प्रारूपों में टीम के लिए महत्वपूर्ण है। वह किसी भी प्रारूप, गेंदबाजी चरण और किसी भी प्रकार के हालातों में अपना काम बखूबी करेगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसके पास वह दिमाग है जो जानता है कि बल्लेबाज क्या करने की कोशिश कर रहा है और उसने इसे बहुत अच्छी तरह से समझा है। 200 से अधिक विकेट लेने वाले किसी भी गेंदबाज को देखा जाये तो उसका औसत सबसे अच्छा है, और यह आपको बताता है कि वह बहुत विशेष है। बुमराह ने टेस्ट में 14 वीं बार पांच विकेट लेकर कपिल के रिकॉर्ड की बराबरी की है। बुमराह एकमात्र खिलाड़ी रहे जिनके सामने मेजबान इंग्लैंड के बल्लेबाज दबाव में रहे।

पूर्व क्रिकेटर दिलीप दोशी का निधन, बीसीसीआई ने शोक व्यक्त किया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर दिलीप दोशी का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 77 वर्ष के थे और लंदन में रह रहे थे, वहीं उन्होंने सोमवार को अंतिम सांसें लीं। दोशी ने साल 1979 से लेकर 1983 तक भारतीय टीम की ओर से 33 टेस्ट और 15 एकदिवसीय मैच खेलकर कुल 126 विकेट लिए थे। उन्होंने टेस्ट में 114 और एकदिवसीय में 22 विकेट लिए। 32 साल की उम्र में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाले दोशी उन नौ भारतीय खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्होंने अपने डेब्यू टेस्ट में भी पांच विकेट लिए थे। तब किम ह्यूज की कप्तानी में ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत आई थी और उसमें देशी जबरदस्त प्रदर्शन कर खासे लोकप्रिय हुए थे। दोशी क्रिकेट से संन्यास के बाद लंदन में बस गये थे। दोशी ने साल 1980 के दशक में ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। गुजरात के राजकोट में जन्मे दोशी ने सौराष्ट्र और बंगाल के अलावा इंग्लैंड में वार्विकशायर और नॉटिंघमशायर की ओर से भी प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेला। उन्होंने 238 प्रथम श्रेणी मैचों में 898 विकेट हासिल किए। उन्होंने 59 लिस्ट ए मुकाबलों में 75 विकेट लिए। उनके परिवार में पत्नी के अलावा एक बेटा और एक बेटी है। उनके बेटे नयन दोशी ने सरे और सौराष्ट्र के लिए खेल है। दोशी के निधन की खबर से क्रिकेट जगत में शोक व्याप्त है, कई पूर्व क्रिकेटरों ने उनके परिवार के प्रति संवेदना जतायी है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए दोशी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। बीसीसीआई के पूर्व सचिव निरंजन शाह ने कहा, यह मेरे लिए बेहद दर्दनाक और व्यक्तिगत क्षति है।

कुंबले ओर हरभजन में से किसी एक को बाहर करना होता था सबसे कठिन: गांगुली

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि उनके लिए कप्तान के तौर पर सबसे अधिक कठिन फैसला स्पिनर अनिल कुंबले और हरभजन सिंह में से किसी एक का चयन रहा है। गांगुली ने बताया है ये दोनो ही इतने बेहतर थे कि किसी एक को बाहर करने का फैसला मजबूरी में करना पड़ता था। साथ ही कहा कि बाहर किये जाने पर ये दोनो ही सवाल भी करते थे कि हमें किस प्रकार बाहर किया था जिसका जवाब देना कठिन होता था। गांगुली के अनसार ये दोनो ही चैंपियन थे और टीम में ऐसे खिलाड़ी होने ही चाहिए।

गांगुली ने हाल ही में कहा, मैं टीम के हित में लिए गए कठिन फैसलों को खिलाड़ियों को आसानी से समझा देता था पर कुंबले और हरभजन उनके लिए परेशानी पैदा कर देते थे। उन्होंने कहा, कई बार कुंबले और हरभजन में से किसी एक को चुनना सबसे कठिन काम था। भारत में ऐसा नहीं हुआ। उपमहाद्वीप में ऐसा नहीं हुआ पर जब आप हरी पिचों पर चले गए, जहां हमें एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज की जरूरत होती थी, तो मुझे कुंबले और हरभजन से किसी एक को ही रखना पड़ता था।

उन्होंने आगे बताया, कई बार ऐसा हुआ है जब वे दोनों साथ में खेले, लेकिन, हां, वह मुश्किल हिस्सा था। आप जिसे आराम देना चाहते थे, वह बहुत खुश नहीं होता था। बिल्कुल नहीं। उनका पहला सवाल होता था, मैं क्यों नहीं खेल रहा हूं? ईमानदारी से कहूं तो, आपको ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत होती है जो आपको बताएं, मैं क्यों नहीं खेल रहा हूं? ये वे खिलाड़ी नहीं थे, जिन्हें आप कहते कि आप नहीं खेल रहे हैं और वे पांच दिन की छुट्टी पाकर खुश हो जाएंगे। आप टीम में ऐसे खिलाड़ी चाहते थे जो आकर आपसे कहें और पूछें कि मैं क्यों नहीं खेल रहा हूं? ये परिस्थितियां मेरे अनुकूल हैं, चाहे वे अनुकूल हों या नहीं हों। इस पूर्व कप्तान ने कहा, यही उनका मानना ??है कि वे भारत के लिए मैच जीतेंगे, उन हालातों में भारत के लिए मैच जीतेंगे। अनिल और हरभजन दोनों ही थे। हां। इतनी क्षमता, इतना आत्मसम्मान, प्रदर्शन पर इतना गर्व है, लेकिन मैं खुश था, क्योंकि दिन के अंत में, मेरे पास दो खिलाड़ी थे जो पूरी तरह चैंपियन थे। गांगुली

की गिनती ऐसे कप्तान के तौर पर होत है जिन्होंने टीम को आक्रामक बनाया और जीत की आदत डाली। उन्होंने कई युवा खिलाड़ियों को भी अवसर दिये।

ये हैं दुनिया की 5 सबसे कठिन डिग्रियां

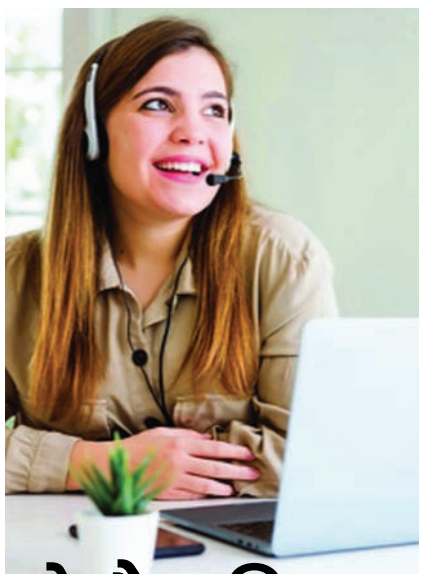

अगर आप अपने करियर को ऊंचाइयों तक ले जाना चाहते हैं और शानदार कमाई करना चाहते हैं, तो इस आर्टिकल में बताए गई कठिन डिग्रियों में से किसी एक को चुन सकते हैं। हालांकि, इन डिग्रियों को हासिल करना आसान नहीं होता, लेकिन मेहनत और लगन से इन्हें पूरा करके आप अपने भविष्य को सुरक्षित और शानदार बना सकते हैं। अगर आप करियर में ऊंचाइयों को छूना चाहते हैं और अच्छी कमाई का सपना देख रहे हैं, तो आपके लिए सही डिग्री चुनना बेहद जरूरी है। दुनिया में कई डिग्रियां ऐसी हैं, जिन्हें पूरा करना आसान नहीं होता है, लेकिन एक बार हासिल करने के बाद इनका स्कोप और सैलरी पैकेज जबरदस्त मिलता है। कठिनाई के बावजूद, इन डिग्रियों की डिमांड हमेशा बनी रहती है। तो आइए दुनिया की 10 सबसे कठिन डिग्रियों के बारे में जानते हैं, जिन्हें पाकर आप लाखों की कमाई कर सकते हैं।

बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी

अगर आप डॉक्टर बनना चाहते हैं, तो MBBS दुनिया की सबसे कठिन डिग्रियों में से एक मानी जाती है। इसमें लंबे समय तक पढ़ाई, इंटर्नशिप और प्रैक्टिकल ट्रेनिंग करनी होती है। लेकिन इस फील्ड में करियर बना लिया, तो कमाई की कोई सीमा नहीं होती।

इंजीनियरिंग

इंजीनियरिंग डिग्री कोर्स काफी कठिन होता है, खासकर तब जब आप टॉप ब्रांच जैसे कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रिकल या मैकेनिकल इंजीनियरिंग में पढ़ाई कर रहे हों। इसमें थ्योरी, प्रैक्टिकल, प्रोजेक्ट्स और इंटर्नशिप का कॉम्बिनेशन होता है, जो इसे और भी चैलेंजिंग बना देता है।

चार्टर्ड अकाउंटेंसी

CA कोर्स दुनिया के सबसे कठिन कोर्सों में से एक है। इसमें कई स्तर के एग्जाम होते हैं और पास करने की दर भी काफी कम होती है। लेकिन अगर आप इसे पूरा कर लेते हैं, तो बड़े कॉरपोरेट हाउस में लाखों-करोड़ों के पैकेज पर जॉब पा सकते हैं या खुद की फर्म शुरू कर सकते हैं।

एस्ट्रोनॉमी और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग

अगर आपको अंतरिक्ष और विमानन विज्ञान में रुचि है, तो यह डिग्री आपके लिए है। लेकिन यह बहुत ही कठिन होती है, क्योंकि इसमें गणित, भौतिकी और तकनीकी ज्ञान की गहरी समझ जरूरी होती है। नासा, इसरो जैसी एजेंसियों में काम करने का सपना देखने वालों के लिए यह एक बेहतरीन करियर ऑप्शन है।

लॉ के बाद जज बनने और वकालत करने के अलावा भी हैं ढेर सारे विकल्प

लॉ में करियर लंबे समय से युवाओं के बीच पॉपुलर रहा है और अब इसमें विकल्पों के बढ़ने आपके लिए मनमाफिक विकल्प चुनना भी आसान हो गया है। दरअसल कानूनी पेचिदगियों और समाज के विस्तार के चलते कानून के जानकार प्रोफेशनल्स की जरूरत हर जगह बढ़ गई है। आज के समय में आम लोगों अपने अधिकारों के प्रति काफी जागरूक हैं, वे कानूनी प्रक्रियाओं को समझना चाहते हैं, ऐसे में लॉ में करियर बनाने वालों का महत्व और भी ज्यादा बढ़ गया है। साथ ही हर दिन किसी नई खोज या तकनीकी विकास के चलते पुराने और प्रचलित कानूनों में संशोधन करने की जरूरत होती है। और इस लिहाज से भी कानून के जानकारों की मांग में में इजाफा हुआ है।

लॉ का ये है पाठ्यक्रम

लॉ से सम्बंधित 2 पाठ्यक्रम होते हैं पहला, 10+2 के बाद पांच वर्षीय इंटिग्रेटेड लॉ पाठ्यक्रम और ग्रेजुएशन के बाद तीन वर्षीय लॉ पाठ्यक्रम। पांच वर्षीय इंटिग्रेटेड लॉ पाठ्यक्रमों में भी अब पाँच प्रकार के पाठ्यक्रम हो गए हैं – आर्ट्स के छात्रों के लिए बीए एलएलबी, साइंस के छात्रों के लिए बीएससी एलएलबी, कॉमर्स के छात्रों के लिए बीकॉम एलएलबी, कंप्यूटर साइंस के छात्रों के लिए बीसीए एलएलबी और मैनेजमेंट के छात्रों के लिए बीबीए एलएलबी। उक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आपको क्लैट यानि कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट से गुजरना होगा, जो वर्ष में एक बार होता है। आपकी रैंकिंग के आधार पर आपको कॉलेज अलॉट किए जायेंगे। देश में कई ऐसे सरकारी विश्वविद्यालय हैं, जहाँ केवल लॉ की ही पढ़ाई होती है। ग्रेजुएशन के बाद के लॉ पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए विश्वविद्यालय अपना-अपना एंट्रेंस टेस्ट संचालित करते हैं।

इस तरह बनें लायर

वह समय ख़त्म हो गया, जब आप लॉ की परीक्षा पास कर काला कोट पहन कर सीधे वकालत में सकते हैं। लॉ के बाद आपको बार काउन्सिल ऑफ़ इंडिया द्वारा संचालित आल इंडिया बार एग्जामिनेशन यानि एआईबीई देना होगा, जिसके बाद ही आप वकालत के लिए योग्य घोषित कर दी जाएंगी। इसके बाद आपका रजिस्ट्रेशन बार काउन्सिल ऑफ़ इंडिया में हो जायेगा और तब आप वकील के तौर पर काम करने की योग्यता प्राप्त कर लेंगीं।

एकेडमिक्स में जाएं

यदि आपका ध्येय केवल एक वकील की तरह भारत के किसी भी न्यायलय में वकालत को अपना करियर बनाना है, तो इसमें एलएलएम (लॉ में पोस्ट ग्रैजुएट) की कोई भूमिका नहीं है। इसके लिए आपकी एलएलबी की डिग्री ही पर्याप्त है। एलएलएम और पीएचडी मुख्य रूप से वे महिलाएं करती हैं, जो लॉ के क्षेत्र में एकाडेमिक्स में जाना चाहती हैं और आगे चलकर किसी लॉ कॉलेज में एक लेक्चरर के रूप में अपना करियर बनाना चाहती हैं। अगर आप किसी कानून विशेष में स्पेशलाइजेशन करना चाहती हैं, तो पीजी और पीजी डिप्लोमा स्तर पर स्पेशलाइजेशन के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं।

एनवायरमेंटल लॉयर

अगर आप प्रकृति के संरक्षण के बारे में गंभीरता से सोचती हैं तो एन्वायरमेंटल लॉयर बनने के बारे में सोच सकती हैं। इसके जरिए आप प्राकृतिक संपदा के नष्ट होने से जुड़ी चीजों को बचाने की बात कह सकती हैं। इसके तहत आप पब्लिक इंट्रस्ट लिटिगेशन भी डाल सकती हैं। इसके अलावा एन्वायरमेंटल लॉयर्स की जरूरत एनजीओज में भी होती है, जो प्रकृति को होने वाले नुकसान पर आवाज उठाते हैं।

साइबर लॉयर

टेक्निकल एडवांसमेंट के दौर में साइबर अपराध भी तेजी से बढ़ रहे हैं और इन पर काबू पाने के लिए साइबर लॉयर्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। खासतौर पर फर्जी ई-मेल भेजना, सोशल अकाउंट हैक करना, कंपनियों के साथ फॉड, खातों से फर्जी तरीके से पैसे निकालना, एसएमएस हैकिंग, मोबाइल क्लोनिंग जैसे मामले सामने आ रहे हैं। इसे देखते हुए कंप्यूटर और नेटवर्क सिक्योरिटी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसे देखते हुए आप कंप्यूटर एंड डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट बनने के बारे में भी सोच सकती हैं।

पेटेंट एंड कॉपीराइट लॉयर

कई बार लोग अवैध रूप से किसी अन्य व्यक्ति की खोज को अपना नाम दे देते हैं, इससे सुरक्षा देता है पेटेंट एंड कॉपीराइट लॉ। कानूनी तौर पर अगर कोई थर्ड पार्टी मूल प्रॉडक्ट को बनाना चाहती है, तो उसे इसके लिए लाइसेंस लेने की जरूरत होती है और उस पर रॉयल्टी शुल्क देना पड़ता है। बौद्धिक संपदा यानी Intellectual Property बिजनेस के उभरते हुए क्षेत्रों में से एक है और इसमें यंग प्रोफेशनल्स की अच्छी खासी मांग है।

लेबर लॉयर

कंपनियों में काम करने वाले कर्मचारियों के अधिकार लेबर लॉ के तहत आते हैं। अक्सर कंपनियों में काम कर रहे इंप्लॉई अपने अधिकार और अन्य विवादों को लेकर अदालत में पहुंच जाते हैं। लेबर लॉ से जुड़े मामलों में इजाफा होने की वजह से इसमें भी आपके लिए आपके लिए अच्छी संभावनाएं हो सकती हैं।

इंटरनेशनल लॉयर

अगर आपकी अंग्रेजी अच्छी है और आपकी अंतरराष्ट्रीय घटनाओं में रुचि है तो आप इंटरनेशनल लॉयर बनने के बारे में भी सोच सकती हैं। इसके तहत विभिन्न राष्ट्रों के राष्ट्रीय हितों से जुड़ी समस्याओं का कानूनी तरीके से हल निकाला जाता है।

कॉरपोरेट लॉयर

देश में कंपनियों के बढ़ते प्रसार के बीच आजकल कॉरपोरेट लॉ का स्कोप भी काफी अच्छा है। इसके तहत कंपनियां ऐसे प्रोफेशनल्स अपने यहां रखती हैं, जो उन्हें अपनी कानूनी अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में सलाह दे सकें। कॉरपोरेट लॉयर्स के तौर पर अच्छा तजुर्बा हासिल होने पर अच्छा पे-पैकेज भी मिलता है।

ये हैं जरूरी गुण

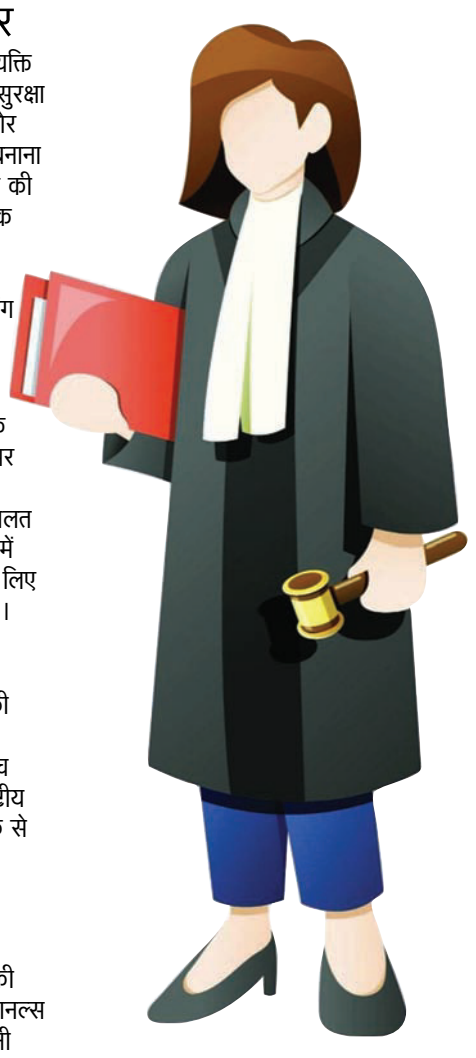

- बेहतर संवाद क्षमता
- अच्छी मेमोरी
- हाजिरजवाब
- तार्किक और चीजों का विश्लेषण करने में निपुण
- धैर्यवान होने का गुण
- समस्याओं के अनूठे हल निकालने में सक्षम
- कानूनी पहलुओं की अच्छी जानकारी
- समर्पण और कड़ी मेहनत

यदि आप अपनी बातों को प्रभावी ढंग से सामने वाले के सामने रख सकते हैं और जिसे भारत के कानून के बारे में नई-नई बात जानने की उत्सुकता बनी रहती है, आपके मन में अक्सर किसी व्यवस्था को लेकर उदगार पैदा होते हैं और आप समझते हैं कि यदि आपके हाथ में कानून होता तो इसे ठीक करने की कोशिश करते , तो फिर लॉ का क्षेत्र आपके लिए ही है। अगर आप लॉ के बाद इसमें करियर बनाने की सोच रहे हैं तो आपको बता दें कि इसमें काफी अच्छी संभावनाएं हैं।

बीसीए के बाद अच्छी जॉब के लिए बेहतरीन करियर ऑप्शंस

बीसीए, एक पॉपुलर अंडरग्रेजुएट कोर्स है, जिसे कंप्यूटर साइंस और आईटी फील्ड में करियर बनाने के लिए किया जाता है। हालांकि, इस कोर्स को करेने के बाद, आगे क्या करें सोच कर आप भी परेशान चल रहे हैं, तो चलिए हम आपको यहां बीसीए के बाद के कुछ बेहतरीन करियर ऑप्शंस के बारे में बताते हैं।

अगर आपने अंडरग्रेजुएट कोर्स बीसीए कर लिया है और अब समझ नहीं आ रहा कि आगे क्या करें, तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। भले ही, अक्सर स्टूडेंट्स बीसीए के बाद क्या करें? इस सवाल को लेकर कंफ्यूज हो जाते हैं, पर आपको इतना सोचने की जरूरत अब तो बिल्कुल भी नहीं है, क्योंकि बीसीए के बाद आपके पास करियर के कई बेहतरीन विकल्प होते हैं, जिनमें उच्च शिक्षा, सरकारी नौकरियां और प्राइवेट सेक्टर में हाई-सैलरी जॉब्स शामिल हैं। सही करियर ऑप्शन का चुनाव आप अपने स्किल्स, इंटरेस्ट और करियर गोल्स के आधार पर कर सकते हैं।

इसी क्रम में आइए हम आपकी दुविधा को दूर करते हैं। दरअसल, इस आर्टिकल में हम आपको बीसीए के बाद मिलने वाले टॉप करियर ऑप्शंस के बारे में विस्तार से बताएंगे, जिससे आप अपने फ्यूचर के लिए सही फैसला ले सकें और आगे जाकर आप एक अच्छी जॉब व हाई सैलरी पा सकें। बीसीए के बाद बेहतरीन करियर ऑप्शंस –

MCA (Master of Computer Applications)

अगर आप अपनी तकनीकी स्किल्स को और मजबूत करना चाहते हैं, तो MCA करना एक बेहतरीन ऑप्शन है। यह कोर्स आपको सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस जैसे एडवांस्ड टॉपिक्स सिखाता है। रही बात इस कोर्स के बाद जॉब ऑप्शंस की तो आप इससे सॉफ्टवेयर इंजीनियर, वेब डेवलपर, डेटा साइंटिस्ट, आईटी कंसल्टेंट आदि बन सकते हैं। इसमें आपको लगभग रू 5-12 लाख प्रति वर्ष का पैकेज भी मिल सकता है।

MBA (Master of Business Administration)

अगर आप मैनेजमेंट और लीडरशिप में करियर बनाना चाहते हैं, तो स्ध्वआपके लिए सही रहेगा। खासकर IT Management, Business Analytics और Digital Marketing में MBA करने से आपको कॉर्पोरेट सेक्टर में अच्छी जॉब मिल सकती है। इस जॉब में आपको शुरुआत में कम से कम रू 6-15 लाख प्रति वर्ष का पैकेज मिल सकता है।

डेटा साइंस और मशीन लर्निंग में बनाएं करियर

बीसीए के बाद डेटा साइंस और मशीन लर्निंग में करियर बनाना आज के समय में बहुत अच्छा विकल्प है। इस फील्ड में जॉब्स की डिमांड तेजी से बढ़ रही है और सैलरी भी काफी अच्छी है। बीसीए करने के बाद, आप डेटा साइंटिस्ट, एआई इंजीनियर, मशीन लर्निंग डेवलपर आदि बन सकते हैं। बात अगर सैलरी पैकेज की करें तो आपको रू 8-20 लाख प्रति वर्ष का पैकेज मिल सकता है।

डिजिटल मार्केटिंग और SEO में हाथ आजमाएं

अगर आपको क्रिएटिविटी और मार्केटिंग में रुचि है, तो डिजिटल मार्केटिंग एक बेहतरीन करियर ऑप्शन हो सकता है, जो आप बीसीए करने के बाद आराम से कर सकते हैं। कंपनियां अपने बिजनेस को ऑनलाइन प्रमोट करने के लिए डिजिटल मार्केटर्स को हायर कर रही हैं। ऐसे में, आपको डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर, SEO एक्सपर्ट, कंटेंट मार्केटर की पोस्ट मिल सकती है। साथ ही, रू 4-12 लाख प्रति वर्ष का पैकेज मिल सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अब सरकार सांसदों से संपर्क और संवाद के लिए बनाएगी संसदीय मैत्री ग्रुप !

प्राक्कलन समितियों के सम्मेलन में स्पीकर ओम बिरला ने दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार अलग-अलग पार्टी के संसदों से संपर्क और संवाद के लिए संसदीय मैत्री ग्रुप बनाने पर विचार कर रही है। पहलगाम आतंकी हमले और पाकिस्तान के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद दुनियाभर में भेजे गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों की सफलता के बाद संसदीय मैत्री समूह बनाने के बारे में सोच विचार किया जा रहा है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने इसकी जानकारी दी।

मुंबई में प्राक्कलन समितियों के राष्ट्रीय सम्मेलन में पहुंचे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने कहा कि कई देशों में ऐसे संसदीय समूह होते हैं और वे हमें भी ऐसे ग्रुप बनाने के लिए कह रहे हैं। अब हम इस पर काम कर रहे हैं। संसदीय मैत्री ग्रुप को लेकर आने वाले संसद सत्र में सभी दलों के साथ चर्चा की जाएगी। संसदीय मैत्री ग्रुप संसदीय कूटनीति को मजबूत करने से लेकर कई मुद्दों पर बेहतर सहयोग के लिए काम करते हैं।

अलग-अलग पार्टी के सदस्य वाले इन मैत्री समूहों का विचार उन प्रतिनिधिमंडलों की यात्राओं के दौरान भी सामने आया, जो

'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर दुनियाभर के अलग-अलग देशों में गए थे।

ओम बिड़ला ने भारतीय संसद की प्राक्कलन समिति की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक स्मारिका का विमोचन भी किया। उन्होंने कहा कि देशभर की प्राक्कलन समितियों के प्रयासों से सरकारी धन के अनावश्यक खर्च को रोका गया है। अब हमारी कोशिश है कि प्राक्कलन समितियों के सभी सदस्य टेक्नोलॉजी जैसे एआई, डेटा एनालिटिक्स का इस्तेमाल करें ताकि समीक्षा और अच्छी हो सके। टेक्नोलॉजी पारदर्शिता और जवाबदेही लाती है। इसके लिए हम सदस्यों को ट्रेनिंग भी देंगे।

23 साल बाद हो रहे इस सम्मेलन में संसद और राज्यों संघ राज्य क्षेत्रों के विधानमंडलों की प्राक्कलन समितियों के सभापति और सदस्य शामिल हुए। बिरला ने कहा कि महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश समेत कुछ राज्यों की प्राक्कलन समितियों की 90-95 फीसदी तक सिफारिशों को सरकार ने लागू किया है। कुछ राज्यों में यह 60 फीसदी से कम है, हिमाचल प्रदेश में यह 15 फीसदी ही है। बिड़ला ने सभी समितियों को एक-दूसरे से अपने अनुभव साझा करने का सुझाव दिया ताकि आंकड़ा हर राज्य में बढ़ सके।

इस सम्मेलन में महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि प्राक्कलन समिति सरकार पर अंकुश रखने की एक मजबूत व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि हमारी कई समितियां पोस्टमार्टम समितियां हैं, जो कि घटना के बाद विचार करती हैं लेकिन प्राक्कलन समिति डायनामिक तरीके से काम करती हैं। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि ये केवल समितियां नहीं बल्कि एक तरह से छोटा विधानमंडल है और उसे भी कई अधिकार मिले हुए हैं। संसद की प्राक्कलन समिति के सभापति संजय जायसवाल ने कहा कि संसद की प्राक्कलन समिति 10 अप्रैल 1950 को बनी और अब तक समिति ने 1033 रिपोर्ट शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्षा, आधारभूत ढांचे जैसे विषयों प्रस्तुत की हैं।

लालू के बड़े लाल बनेंगे कॉमर्शियल पायलट, विमान उड़ाते नजर आएंगें

पटना। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बेटे और बिहार सरकार के पूर्व मंत्री तेजप्रताप यादव अब विमान उड़ाते दिख सकते हैं। एविएशन क्षेत्र में रुचि रखने वाले तेजप्रताप को उड्डयन प्रशिक्षण निदेशालय की परीक्षा में सफलता मिली है। 18 कैंडिडेट्स परीक्षा में पास हुए हैं। इसमें तेजप्रताप का भी नाम है। उनका कॉमर्शियल पायलट की ट्रेनिंग के लिए चुनाव हुआ है। तेजप्रताप लंबे समय से एविएशन फील्ड में अपना करियर बनाना चाहते थे। दरअसल ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तेज प्रताप ने पोस्ट कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की थी कि उन्हें भी देश की सेवा करने का मौका दें। तेजप्रताप ने फोटो शेयर की। इसमें वे पायलट की सीट पर बैठे दिख रहे हैं। फोटो को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, प्रधानमंत्री जी एक बार देश की सेवा करने का मौका दीजिए। तेजप्रताप ने पोस्ट में लिखा कि माननीय प्रधानमंत्री जी, वंदे मातरम। विपदा की इस घड़ी में हम समस्त देशवासी एक साथ हैं। मैं, तेजप्रताप यादव, बतौर वायुयान चालाक भी अपने दायित्वों का निर्वाह करने में सक्षम हूं। सीमा पर सुरक्षा प्रहरियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर शत्रुओं के नापाक इरादों को नेस्तनाबूत करने की प्रबल इच्छा रखता हूं। आप से अनुरोध है कि हम नागरिकों को भी भारत माता की सेवा करने का मौका दिया जाए। देश और देश के नागरिकों की रक्षा में यदि मेरे प्राण भी निकल जाएं, तो मैं स्वयं को सौभाग्यशाली समझूंगा।'

संसद की स्थायी समिति की बैठक में उठा सवाल, जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ अब तक एफआईआर दर्ज क्यों नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकारी आवास पर भारी मात्रा में अधजली नकदी मिलने के मामले में फंसे हाई कोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा का मामला मंगलवार को संसद की स्थायी समिति की बैठक में भी उठा। समिति के सदस्यों ने पूछा कि मामले में कोई एफआईआर क्यों नहीं दर्ज की गई। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि चर्चा के दौरान समिति के सदस्यों ने वीरस्वामी मामले की समीक्षा का सुझाव दिया। इसके अलावा समिति ने जजों के लिए आचार संहिता बनाने और सेवानिवृत्ति के बाद कोई पद लेने के लिए कूलिंग-ऑफ अवधि के बारे में भी सुझाव दिया।

संसदीय समिति ने यह चर्चा उस समय की है, जब अगले महीने संसद के मॉनूसन सत्र में जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग लाने की तैयारी हो रही है।

राज्यसभा की इस समिति के अध्यक्ष भाजपा सांसद बृजलाल हैं और इसमें भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई (जो एक मनोनीत सांसद हैं), पूर्व कानून राज्य मंत्री पी पी चौधरी,

तृणमूल कांग्रेस सांसद सुखेंदु शेखर राय और कल्याण बनर्जी, कांग्रेस के विवेक तन्खा और द्रमुक के पी विल्सन तथा ए राजा प्रमुख सदस्य हैं।

जहां जस्टिस वर्मा पर महाभियोग चलाने की संभावना है, वहीं विपक्ष इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस शेखर यादव के खिलाफ भी इसतरह की कार्रवाई के लिए पहले ही नोटिस दे चुका है।

राज्यसभा सचिवालय उन सांसदों के हस्ताक्षरों का भी सत्यापन कर रहा है, जिन्होंने जस्टिस यादव के खिलाफ कथित नफरती भाषण को लेकर महाभियोग नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। सचिवालय पहले ही सांसदों को उनके हस्ताक्षरों की पुष्टि के लिए पत्र लिख चुका है।

सफल हो रहा ऑपरेशन सिंधु: अब तक ईरान से 2003 लोगों को सुरक्षित निकाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान में फंसे भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन सिंधु को जबदरस्त सफलता मिल रही है। ऑपरेशन के तहत अब तक 2003 लोगों सुरक्षित वतन वापसी हुई है। 290 भारतीय नागरिकों और एक श्रीलंकाई नागरिक को लेकर एक विमान सोमवार को शाम 7:15 बजे नई दिल्ली पहुंचा। यह विमान ईरान के मशहद से लोगों को लेकर आया था और ऑपरेशन सिंधु का हिस्सा था। विदेश मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इसके साथ ही अब तक 2003 भारतीय नागरिकों को ईरान से सुरक्षित वापस लाया जा चुका है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि 290 भारतीय नागरिकों और एक श्रीलंकाई को मशहद से निकाला गया और वे सभी सोमवार को शाम सात बजकर 15 मिनट पर एक विशेष विमान से नई दिल्ली पहुंचे। भारत के निकासी अभियान 'ऑपरेशन सिंधु' के तहत इजराइल से जॉर्डन की राजधानी ले जाए गए कुल 161 भारतीय भी अम्मान से एक

विशेष उड़ान से नई दिल्ली पहुंच रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय नागरिकों के आधी रात राष्ट्रीय राजधानी पहुंचने की उम्मीद है। इससे पहले, शनिवार को 'ऑपरेशन सिंधु' के तहत मशहद से 285 भारतीय नागरिकों को लेकर एक विशेष विमान दिल्ली पहुंचा। ये सभी यात्री बिहार, जम्मू-कश्मीर, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र जैसे राज्यों से थे।

इसी तरह से ऑपरेशन सिंधु के तहत मशहद से एक और निकासी विमान 21 जून को शाम साढ़े चार बजे ईरान से 310 भारतीय नागरिकों के साथ नई दिल्ली पहुंचा था, जिसके बाद वहां से सुरक्षित निकाले जाने वाले भारतीयों की तादाद 827 पहुंच गई थी, जो कि अब 2000 से ज्यादा हो चुकी है। ईरान और इजरायल में जंग से मिडि-ईस्ट में तनाव बढ़ता ही जा रहा है। ऐसे में भारत ने तय किया है कि दोनों देशों में फंसे अपने नागरिकों को वह सुरक्षित स्वदेश लाएगा।

भारत ने 18 जून को ईरान से अपने नागरिकों को निकालने के लिए 'ऑपरेशन सिंधु' शुरू करने की घोषणा की थी। ईरान से सुरक्षित रूप से निकाले गए 110 भारतीय नागरिकों का पहला समूह 19 जून को भारत पहुंचा था। कई लोगों ने वहां की भयावह स्थिति के बारे में अपनी आपबीती बताई। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने इन लोगों के दिल्ली हवाई अड्डा पर पहुंचने पर उनका स्वागत किया।

अब महाराष्ट्र में हिंदी को तीसरी भाषा बनाने का फैसला रुका

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में लाने का फैसले पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। महाराष्ट्र में पहली से पांचवीं कक्षा के लिए हिंदी को तीसरी भाषा के तौर पर लागू किया जाना था। लेकिन सोमवार रात मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक के बाद इस पर रोक लग गई है। मुख्यमंत्री कार्यालय के मुताबिक अंतिम फैसले से पहले साहित्यिक दिग्गजों, विषय विशेषज्ञों और नेताओं से विचार-विमर्श किया जाएगा। माना जा रहा है कि स्थानीय निकाय चुनावों के निकट आने के चलते प्रदेश सरकार ने यह फैसला रोका है।

यह दूसरी बार है जब प्रदेश सरकार को तीसरे भाषा के रूप में हिंदी को लागू करने को लेकर पीछे हटना पड़ा है। इसी साल अप्रैल में एक सरकारी निर्णय जारी हुआ था। इसमें कहा गया कि हिंदी तीसरी भाषा होगी और यह कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों के लिए अनिवार्य होगी। हालांकि मनसे और अन्य लोगों के विरोध के बाद सरकार ने यह फैसला रोक दिया। 17 जून को राज्य ने एक संशोधित आदेश जारी हुआ।

इसमें सरकार ने तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य हिंदी शब्द को हटा दिया। इसके बदले छात्रों को किसी अन्य भाषा का विकल्प चुनने का अवसर दिया, बशर्ते कम से कम 20 छात्रों ने उसके लिए विकल्प चुना हो। महाराष्ट्र में यह फैसला काफी अहम माना जा रहा है। कक्षा एक से पांचवीं तक में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में लागू करने को लेकर यहां काफी विरोध हो रहा है। राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने इस फैसले का विरोध किया है। गौरतलब है कि आगामी स्थानीय चुनाव के लिए भाजपा और शिवसेना (शिंदे) मनसे को अपने साथ लाना चाहते हैं। विपक्ष ने कहाकि यह कदम भाजपा का है। वह प्रदेश में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में थोपना चाहती है। सिर्फ राजनीतिक तबकों ही नहीं, बल्कि साहित्य से जुड़े लोग भी इस फैसले का विरोध कर रहे हैं। साल 2021 में अपनी कविता के लिए पुरस्कार से सम्मानित कवि हेमंत दिवाते ने कहाकि अगर हिंदी लागू की गई तो वह अपना पुरस्कार लौटा देंगे।

छत्तीसगढ़ में झकझोर देने वाला कांड: 115 दिनों में 30 पत्नियों को उतार दिया मौत के घाट

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। यहां पिछले 115 दिनों में, 30 महिलाओं की उनके पतियों ने हत्या कर दी है। इसका मतलब है कि हर चार दिन में एक हत्या हो रही है। विडंबना यह है कि सोशल मीडिया पर पत्नियों को हत्यारा कहा जा रहा है।छत्तीसगढ़ पुलिस के रिकॉर्ड एक अलग ही कहानी बताते हैं। ये आंकड़े बताते हैं कि वहां कितनी भयावह स्थिति है। धमतरी में एक युवा जोड़े की शादी को सिर्फ तीन महीने हुए थे। 7 जून को पति ने अपनी पत्नी के साथ एक फोटो पोस्ट की और प्यार जताया। तीन दिन बाद, उसने दरांती से उसकी गला रेत कर हत्या कर दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, आरोपी पति धनेश्वर पटेल ने अपनी पत्नी पर चरित्र को लेकर शक होने पर उसकी हत्या करने की बात कबूल की है। एक और मामला बालोद का है। 22 मार्च को एक सड़क दुर्घटना हुई थी। एक स्कूल टीचर की मौके पर ही मौत हो गई लेकिन जांच में पता चला कि उसके पति शीशपाल और उसके दोस्त ने मिलकर

हत्या की थी और उसे दुर्घटना का रूप दिया था। एक पुलिस अधिकारी योगेश पटेल ने बताया, आरोपी के एक परिचित कयामुद्दीन ने पूछताछ में बताया कि हत्या की योजना पहले से बनाई गई थी। छत्तीसगढ़ में पत्नियों की हत्या के 30 मामलों में से 10 से ज्यादा शक या जलन की वजह से हुए। 6 मामले नशे में हुए। दो मामले यौन संबंध बनाने से इनकार करने पर हुए। बाकी मामले घरेलू हिंसा, दहेज विवाद या वैवाहिक तनाव के कारण हुए। एक समाजशास्त्री प्रोफेसर सोशल मीडिया पर चल रही गलत बातों की आलोचना करते हैं। उन्होंने कहा, यह गुस्सा पितृसत्तात्मक समाज की वजह से है। पुरुषों ने हजारों हत्याएं की हैं, लेकिन अगर कोई महिला ऐसा करती है, तो पूरे जेंडर को दोषी ठहराया जाता है। हत्या तो हत्या होती है। जेंडर से इसकी गंभीरता नहीं बदलनी चाहिए। कुछ सनसनीखेज मामलों के आधार पर महिलाओं को लेबल करना हमारी पुरुष-प्रधान मानसिकता को दर्शाता है। पत्नियों को ट्रोल करना न केवल गलत है, बल्कि खतरनाक भी है।

आर्मी के गद्दार जवान ने खोले राज: ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देने पर पाकिस्तान देता था पैसे

अमृतसर (एजेंसी)। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने वाले भारतीय सेना के जवान गुरप्रीत सिंह और उसके साथी साहिल मसीह को पिछले दो महीनों में दो लाख रुपये मिले थे। यह राशि ऑनलाइन ट्रांसफर की गई है, जिसे गुरप्रीत ने अपने साथी साहिल के बैंक खाते में डलवाया।

इस मामले की गंभीरता को देखते हुए अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने भी अमृतसर में डेरा डाल लिया है। सोमवार की शाम को गुरप्रीत और साहिल को जेआइसी (ज्वाइंट इंटेरोगेशन सेंटर) में उनसे पूछताछ की। इस घटना से स्पष्ट है कि जासूसी का यह मामला केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि एक व्यापक नेटवर्क का हिस्सा हो सकता है। सुरक्षा एजेंसियां इस मामले की गहराई से जांच कर रही हैं ताकि इस जासूसी के पीछे के सभी तत्वों का पता लगाया जा सके।

यह भी पता चला है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी गुरप्रीत ने आईएसआई को कई सैन्य ठिकानों की जानकारी भेजी थी। उधर, कोर्ट ने दोनों आरोपितों को दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया है और मंगलवार को इन्हें फिर से कोर्ट में पेश किया जाएगा। एसएसपी मनिंदर सिंह ने बताया कि जांच में यह सामने आया है कि गुरप्रीत सिंह ने जम्मू के अलावा दिल्ली कैंट और मेरठ कैंट में भी अपनी ड्यूटी की है। पुलिस को संदेह है कि वह लंबे समय से आईएसआई के एजेंट राणा जावेद के संपर्क में था। उसने जम्मू के साथ-साथ दिल्ली, मेरठ और पंजाब के कई सैन्य ठिकानों की जानकारी राणा जावेद के माध्यम से आईएसआई को दी है।

धालीवाल निवासी गुरप्रीत का राणा जावेद के साथ गांव के नशा तस्कर अर्जन नामक व्यक्ति ने संपर्क करवाया था। वह इस समय दुबई में रह रहा है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अर्जन का जल्द ही एलओसी जारी किया जाएगा। गिरफ्तार किए गए गुरप्रीत सिंह का पिता गांव के ही गुरुद्वारा साहिब में सेवादार है। दोनों आरोपित फतेहपुर जेल में बंद हैं।

कैलाश मानसरोवर यात्रा 30 जून से होगी शुरु, महामारी के चलते 2020 से थी बंद

- रुट में किया बदलाव, इस बार यात्रा टनकपुर, चंपावत होते हुए आगे बढ़ेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पांच साल के लंबे इंतजार के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरू हो रही है। साल 2020 में महामारी के कारण यह यात्रा बंद कर दी गई थी, लेकिन अब 30 जून से यह यात्रा दोबारा शुरू हो रही। यह यात्रा अगस्त तक चलेगी और हर साल की तरह इस बार भी उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के लिपुलेख पास से शुरु होगी। कैलाश पर्वत हिंदू, बल्कि बौद्ध, जैन और तिब्बती में भी बेहद पवित्र माना जाता है। बौद्ध धर्म में इसे डेमचोक का निवास माना जाता है, वहीं जैन धर्म में यह पहला तीर्थंकर ऋषभदेव से जुड़ा है। तिब्बती मान्यता में कैलाश को स्वास्तिक पर्वत के रूप में पूजा जाता है। इसके साथ ही मानसरोवर झील भी पवित्र मानी जाती है, जहां भक्त स्नान कर पुण्य अर्जित करते हैं। कैलाश मानसरोवर यात्रा प्राचीन काल से चली आ रही है। यह यात्रा आध्यात्मिक शांति, आत्ममंथन और भगवान शिव के दर्शन के लिए की जाती है। हर साल सैकड़ों श्रद्धालु इस यात्रा को तय कर मानसरोवर झील के दर्शन और स्नान करते हैं। हाल ही में नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय की एक अहम बैठक की, जिसमें यात्रा को फिर से शुरू करने का फैसला लिया गया। इस बार यात्रा का संचालन कुमाऊं मंडल विकास निगम कर रहा है। यात्रा की शुरुआत दिल्ली से होगी और फिर यात्री पिथौरागढ़ जिले के लिपुलेख दर्रे से होते हुए कैलाश मानसरोवर जाएंगे। इस बार यात्रा का रूट में थोड़ा बदलाव किया है। पहले यह काठगोदाम और अल्मोड़ा होते हुए जाती थी, लेकिन अब यह टनकपुर, चंपावत होते हुए आगे बढ़ेगी। कैलाश मानसरोवर यात्रा केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि आध्यात्मिक अनुभव भी है। ऊंचे पर्वतों, कठिन रास्तों और प्राकृतिक सौंदर्य के बीच यह यात्रा भक्तों को आस्था, साहस और आत्मचिंतन का अद्भुत अवसर प्रदान करती है।

टेस्ट में आए कम नंबर तो बाप ने कर दी बेटी की हत्या

सांगली (एजेंसी)। क्या आप सोच सकते हैं कि कोई पिता अपनी बेटी की हत्या सिर्फ इस कारण कर सकता है कि उसके टेस्ट में नंबर कम आए थे। जी हॉ ऐसा ही एक मामला महाराष्ट्र के सांगली से सामने आया है, जहां एक पिता ने नीट मॉक टेस्ट में कम नंबर आने पर बेटी की हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार 17 वर्षीय साधना भोंसले के नीट प्रैक्टिस टेस्ट में कम नंबर आए। इससे नाराज पिता ने उसकी पिटाई डंडे से कर दी। इसी बीच साधना के सिर पर गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद उसे इलाज के लिए सांगली के उषाकल हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया। उसकी इलाज के दौरान शुक्रवार को मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मृतका साधना के 10वीं बोर्ड एग्जाम में 92.60 फीसदी अंक आए थे। पिछले एक साल से वह मेडिकल एंट्रेंस टेस्ट नीट की तैयारी में लगी हुई थी। इस बीच हुए टेस्ट में उसके नंबर कम आए और इस कारण उसके पिता धोंडीराम भोंसले जो कि खुद एक स्कूल प्रिंसिपल हैं ने इस कदर उसे पीटा कि उसे गंभीर चोटें आ गईं। अब मां की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी का गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक मृतका साधना की मां ने 22 जून को शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें बताया गया कि उसके पति ने कम नंबर आने पर पीट-पीटकर बेटी की हत्या कर दी है। आरोपी पिता को गिरफ्तार कर पुलिस ने जांच शुरु कर दी है। पुलिस के अनुसार पिता ने बेटी को पीटने की बात स्वीकार कर ली है।

बहराइच में तेंदुए का आंतक, आंगन में सो रहे ग्रामीण पर किया हमला

बहराइच (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में बहराइच के ग्रामीण इलाकों में वन्यजीवों के हमले बढ़े गए हैं कि अब मच्छरदानी में भी ग्रामीण नहीं सुरक्षित है। एक बुजुर्ग किसान घर के बरामदे में सो रहे थे। तभी तेंदुए ने उन पर हमला किया। लेकिन गनीमत रही की फौरन लोग दौड़ पड़े जिससे बुजुर्ग की जान बच गई। जानकारी के मुताबिक गांव बनकटी में इन दिनों जंगली जानवरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। गांव के निवासी बलदेव सिंह मच्छरदानी लगाकर घर में सो रहे थे। तभी अचानक घर में घुसे तेंदुए ने उन पर हमला कर दिया। हमले के दौरान सिंह तेंदुए से भिड़ गए और शोर मचाने लगे। उनका शोर सुनकर घर के लोग और ग्रामीणों ने तेंदुआ जंगल की ओर भाग दिया। घायल बलदेव सिंह को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने बताया कि तेंदुए के हमले से शरीर पर कई जगह जख्म हैं। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी। सूचना पर पहुंचे वन विभाग के अधिकारी ने घायल बलदेव को तत्काल एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की और ग्रामीणों को तेंदुए के पकड़ने का आश्वासन दिया।

लंदन से मुंबई आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट में 5 यात्री, 2 केबिन क्रू हुए बेहोश

मुंबई (एजेंसी)।, एयर इंडिया की एक फ्लाइट में फिर चौंकाने वाली घटना हुई है। दरअसल लंदन से मुंबई आ रही फ्लाइट में सवार पांच यात्री और दो केबिन क्रू बेहोश हो गए हैं। यह विमान मुंबई में उतरा था। इस घटना ने एक बार फिर हड़कंप मचा दिया है। हाल ही में अहमदाबाद-लंदन विमान हादसे में 242 यात्रियों की मौत हो गई थी। हादसाग्रस्त विमान एयर इंडिया का था। इसके बाद एयर इंडिया के विमानों को लेकर कई शिकायतें सामने आ रही हैं। इस बीच सोमवार को AI130 फ्लाइट लंदन के हीथ्रो से मुंबई आ रही थी। इस यात्रा के दौरान पांच यात्रियों और दो क्रू मेंबर ने उड़ान के अलग-अलग चरणों में चक्कर आने और जी मिचलाने की शिकायत की। यह घटना मुंबई एयरपोर्ट पर हुई। हालांकि AI130 फ्लाइट मुंबई एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतर गई। मुंबई एयरपोर्ट प्रबंधन के मुताबिक, विमान के मुंबई में सुरक्षित उतरने के बाद मेडिकल टीम तत्काल चिकित्सा सहायता देने के लिए तैयार थी। विमान के मुंबई एयरपोर्ट पर उतरने के बाद, दो यात्रियों और दो केबिन क्रू, जो अभी भी अस्वस्थ महसूस कर रहे थे, को आगे की जांच के लिए मेडिकल वार्ड में ले जाया गया। उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, हम घटना की जांच कर रहे हैं और नियामक को इसकी जानकारी दे दी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

पश्चिम एशिया में तनाव का असर, अमेरिका ने अपने नागरिकों को यात्रा के दौरान सावधानी बरतने की दी सलाह

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए दुनियाभर में कहीं भी यात्रा को लेकर यात्रा सलाह जारी की है। अमेरिका की यह सलाह ऐसे समय जारी की गई है, जब अमेरिका ने ईरान के परमाणु केंद्रों पर शनिवार देर रात हमले किए। जिसके बाद ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई की बात कही है। अमेरिका के विदेश विभाग ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि दुनियाभर में सावधानी रखें : ईरान और इस्राइल के बीच जारी संघर्ष के चलते पश्चिम एशिया में हालात खराब हैं और वहां एयरस्पेस भी बंद है। ऐसे में विदेशों में अमेरिका या अमेरिकी नागरिकों के खिलाफ प्रदर्शन हो सकते हैं। विदेश विभाग की सलाह है कि अमेरिकी नागरिक दुनियाभर में कहीं भी यात्रा कर रहे हैं तो सावधान रहें और जो भी यात्रा संबंधी दिशा-निर्देश हैं, उन्हें ध्यान से पढ़ें। साथ ही जहां जा रहे हैं, वहां सुरक्षा अलर्ट की भी जानकारी लें। अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए सऊदी अरब, तुर्किये, इराक, यूएई और जॉर्डन में भी सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। साथ ही लेबनान न जाने की सलाह दी गई है। यह एडवाइजरी ऐसे समय जारी की गई है, जब शनिवार देर रात अमेरिका ने ईरान के तीन परमाणु केंद्रों पर हमले किए थे। अमेरिका का दावा है कि इन हमलों में ईरान के परमाणु केंद्रों को भारी नुकसान हुआ है। खासकर फोर्डो परमाणु केंद्र पर। इस भूमिगत परमाणु केंद्र पर अमेरिका ने बंकर बस्टर बमों से हमला किया।

यूएस के मिशिगन में चर्च पर गोलीबारी, हमलावर ढेर

मिशगन, एजेंसी। अमेरिका के मिशगन में एक चर्च पर गोलीबारी का मामला सामने आया है। इस मामले में स्थानीय सुरक्षाबलों ने हमलावर को मार गिराया। स्थानीय समय के मुताबिक मिशिगन के वेन में क्रॉसपॉइंट चर्च में रविवार को हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति घायल भी हुआ। वेन पुलिस विभाग के अनुसार, अधिकारियों ने चर्च में गोलीबारी की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई की। उन्होंने पाया कि एक सुरक्षा गार्ड ने संदिग्ध को गोली मारकर मार दिया था। चर्च का सुरक्षा गार्ड घायल हुआ है। उसके पैर में गोली लगी है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक गोलीबारी के समय लगभग 20 लोग चर्च में उपस्थित थे। कई बच्चे भी शामिल थे। लोगों ने छिपने की जगहों पर भागकर अपनी जान बचाई।

ग्रीस के चियोस द्वीप के जंगल में आग लगी

एथेंस , एजेंसी। ग्रीस के चियोस नामक द्वीप पर रविवार को जंगल में आग लग गई। यह आग द्वीप के मुख्य शहर के पास लगी है। आग बुझाने के लिए 100 से ज्यादा फायर ब्रिगेड के कर्मचारी काम कर रहे हैं। वे पानी गिराने वाले हेलीकॉप्टरों और विमानों की मदद से आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं। प्रशासन ने सावधानी के तौर पर आसपास के करीब 12 इलाकों को खाली करने का आदेश दिया है। फायर विभाग ने बताया कि रविवार सुबह और दोपहर को तीन अलग-अलग जगहों पर आग लगी। तेज हवा के कारण आग तेजी से फैल गई और उसे बुझाना मुश्किल हो गया। अब यह भी जांच की जा रही है कि आग कहीं जानबूझकर तो नहीं लगाई गई। इसके लिए एक विशेष टीम को द्वीप पर भेजा गया है।

सीरिया में ग्रीक ऑर्थोडॉक्स चर्च पर आत्मघाती हमला, 22 लोगों की मौत

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया के एक ग्रीक ऑर्थोडॉक्स चर्च में रविवार को एक आत्मघाती हमलावर ने पहले गोलियां चलाईं और फिर खुद को बम से उड़ा लिया। इस हमले में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई और 63 लोग घायल हो गए। यह हमला उस समय हुआ जब लोग चर्च में प्रार्थना कर रहे थे। सरकारी न्यूज एजेंसी सना ने बताया कि हमला दमिश्क शहर के बाहर दविइला इलाके में स्थित मार एलियास चर्च में हुआ। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, मरने वालों और घायलों की संख्या अभी और बढ़ सकती है। यह हमला सीरिया में कई वर्षों बाद चर्च पर हुआ पहला बड़ा हमला है। हमला ऐसे समय में हुआ है जब देश की सरकार अल्पसंख्यकों का समर्थन पाने की कोशिश कर रही है और देश के अलग-अलग हिस्सों में नियंत्रण के लिए संघर्ष चल रहा है।

न्यूयॉर्क में ईरान पर हमले के विरोध में प्रदर्शन; अमेरिकियों ने इस्राइल के समर्थन पर जताई चिंता

न्यूयॉर्क, एजेंसी। ईरान पर अमेरिकी हमलों के बाद न्यूयॉर्क में लोग सड़क पर उतर आए। लोगों ने अमेरिकी हमलों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। सैकड़ों लोगों ने न्यूयॉर्क की सड़कों पर मार्च किया। साथ ही फलस्तीनी झंडे लहराए और ईरान से हाथ हटाओ और ईरान पर युद्ध बंद करो लिखी तख्तियां पकड़कर नारेबाजी की। वहीं ईरान पर किए हमलों और इस्राइल के प्रति समर्थन को लेकर अमेरिकियों ने चिंता भी जाहिर की। अमेरिका ने शनिवार-रविवार की दरमियानी रात ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले किए थे। इन हमलों में ईरान के फोर्डो, इस्फहान और नतांज परमाणु स्थलों को निशाना बनाया गया था। हमलों के विरोध में न्यूयॉर्क में लोगों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान लोगों ने ईरान संघर्ष के साथ ही गाजा में सैन्य अभियान के लिए इस्राइल की आलोचना की।

इजराइल का ईरान की मिसाइल फैक्ट्री पर हमला: 2000 किलोमीटर दूर बम गिराए

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल-ईरान संघर्ष को 10 दिन हो चुके हैं। इजराइली एयरफोर्स ने रविवार देर रात ईरान के शाहरुद में बैलिस्टिक मिसाइल का इंजन बनाने वाली फैक्ट्री पर बमबारी की। यह जगह इजराइल से करीब 2000 किलोमीटर दूर है। इस हमले में इंजन बनाने वाली कई मशीनें और जरूरी इक्विपमेंट तबाह हो गए। इसके अलावा इजराइल ने तेहरान, केरमानशाह और हमादान में भी एयर स्ट्राइक की।

दूसरी तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान में तख्तापलट के मुद्दे पर बात की। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा- अगर मौजूदा ईरानी सरकार ईरान को फिर से महान नहीं बना सकती, तो सत्ता परिवर्तन क्यों नहीं होना चाहिए? मेक ईरान ग्रेट अगेन। अमेरिका ने कल ईरान में 3 परमाणु ठिकानों पर हमला करके जंग में एंट्री की। ये ठिकाने फोर्डो, नतांज और इस्फहान थे। इस ऑपरेशन में 7 बी-2 स्टेल्थ बॉम्बर्स ने हिस्सा लिया था, जिन्होंने ईरान के फोर्डो और नतांज न्यूक्लियर ठिकानों पर 13,608 किलो वजनी बंकर बस्टर बम गिराए।

इजराइल ने ईरान के 6 एयरपोर्ट पर हमला किया : इजराइली सेना ने ईरान के छह एयरपोर्ट को निशाना बनाया है। इजराइली सेना ने बयान जारी कर बताया कि उसने ड्रोन हमलों के जरिए ईरान के 15 सैन्य विमान और हेलिकॉप्टर नष्ट कर दिए हैं।

ईरान ने इजराइल का हर्मीस ड्रोन मार गिराया गया : ईरान ने अपने पश्चिमी इलाके में इजराइल के एक हर्मीस ड्रोन को मार गिराया है। इजराइली सेना ने भी इसकी पुष्टि की है। एक बयान जारी कर आईडीएफ ने बताया कि आज सुबह ईरान के पश्चिमी इलाके खुर्रमाबाद में एक ड्रोन मारा गया है।

ईरान बोला- अमेरिका ने गुनाह किया, जवाब मिलेगा : ईरान ने अपने न्यूक्लियर ठिकानों पर हवाई हमलों के लिए अमेरिका को जवाब देने की चेतावनी दी है। ईरानी सेना के नए चीफ मेजर जनरल अमीर हातामी ने कहा है कि हर बार जब अमेरिका ने ईरान के खिलाफ अपराध किया है, उसे मुंहतोड़ जवाब मिला है और इस बार भी वही होगा।

इजराइल ने ईरान के करमानशाह में सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए इजराइली सेना ने बताया कि उसके लड़ाकू विमानों ने ईरान के करमानशाह प्रांत में सैन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाकर हवाई हमले किए हैं। सेना की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि हम इस समय करमानशाह क्षेत्र में ईरानी सैन्य ढांचे पर हमले कर रहे हैं।

बातचीत करने की जरूरत: अल्बानीज : ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने अमेरिका के ईरानी परमाणु स्थलों पर हवाई हमले किए जाने के बाद क्षेत्र में किसी भी तरह की वृद्धि को रोकने के लिए बातचीत और कूटनीति का आह्वान किया। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने ईरान से बातचीत के लिए आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ईरान बातचीत की मेज पर नहीं आया, क्योंकि वह बार-बार अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का पालन करने में विफल रहा है। दुनिया लंबे समय से इस बात पर सहमत है कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। और हम इसे रोकने के लिए कार्रवाई का समर्थन करते हैं। यही तो है। अमेरिकी कार्रवाई ईरान के परमाणु कार्यक्रम के लिए केंद्रीय विशिष्ट स्थलों पर निर्देशित थी। हम वृद्धि और पूर्ण पैमाने पर युद्ध नहीं चाहते हैं। हम बातचीत और कूटनीति का आह्वान करना जारी रखते हैं। जैसा कि मैंने कई दिनों से कहा है, हम क्षेत्र में किसी भी तरह की वृद्धि को लेकर बहुत चिंतित हैं और हम कूटनीति, संवाद और तनाव में कमी देखना चाहते हैं। हम अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने आने वाली चुनौती के बारे में स्पष्ट रहे हैं, जो किसी भी ईरानी परमाणु हथियार कार्यक्रम से उत्पन्न खतरे से निपट रहा है और क्षेत्रीय वृद्धि के जोखिम से निपट रहा है, और इसीलिए ऑस्ट्रेलिया ने ईरान से बातचीत की मेज पर आने और किसी भी परमाणु हथियार कार्यक्रम को छोड़ने का आह्वान किया। ईरान बातचीत की मेज पर नहीं आया क्योंकि वह बार-बार अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का पालन करने में विफल रहा है। हम ईरान से आग्रह करते हैं कि वह आगे कोई ऐसी कार्रवाई न करे जिससे क्षेत्र में अस्थिरता पैदा हो। अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से ईरान से इस्राइल को खत्म करने, परमाणु हथियार रखने के अपने प्रयास को रोकने, अमेरिकी नागरिकों और हितों को निशाना बनाना बंद करने और सद्भावना से शांति वार्ता करने का आग्रह करने का आह्वान किया है।

ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई ने खाई कसम, कहा- दुश्मन इजरायल को दंडित किया जाएगा

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमलों के बाद पहली प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने हमलों को एक बड़ा अपराध बताया और कसम खाई कि इजरायल को दी जा रही सजा जारी रहेगी। हालिया हमलों के बाद खामेनेई ने जवाबी कार्रवाई की भी चेतावनी दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, सजा जारी है। यहूदी दुश्मन ने बहुत बड़ी गलती की है, एक बड़ा जुर्म किया है। उसे सजा मिलनी चाहिए और मिल रही है। अभी इस वक्त ही सजा दी जा रही है। लगभग 10 दिन से इजरायल और ईरान युद्ध के मैदान में हैं। 13 जून को ईरान में परमाणु और सैन्य स्थलों समेत कई ठिकानों पर इजरायली हमले हुए, जिनमें कई वरिष्ठ कमांडर और परमाणु वैज्ञानिक मारे गए। ईरानी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, शनिवार तक ईरान में 400 से अधिक लोग मारे गए और 3500 से अधिक घायल हुए। उस समय ईरान ने इजरायल पर मिसाइल और ड्रोन हमलों से जवाबी कार्रवाई भी की। इजरायल में अधिकारियों ने 24 लोगों की मौत की सूचना दी। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईएसएनए के अनुसार, रविवार देर रात एस्फाहान प्रांत में इजरायल के ड्रोन हमले में एक एम्बुलेंस को निशाना बनाया गया, जिसमें तीन लोग मारे गए। नजाफाबाद काउंटी के गवर्नर हमीदरेजा मोहम्मदी फेशारकी ने बताया कि ये एम्बुलेंस एक मरीज को लेकर जा रही थी। हमले में ड्राइवर, मरीज और उसके साथ मौजूद व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं, रविवार को इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी कहा कि इजरायल अपने अभियान को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि ईरान और गाजा दोनों में पूरी ताकत से इजरायल अपना काम करना जारी रखेगा। नेतन्याहू ने कहा, हम अपने लक्ष्य हासिल करने से पहले इस ऐतिहासिक अभियान को नहीं रोकेंगे। इधर, अमेरिका की एंट्री से मिडिल ईस्ट में बड़ी तेजी से हालात बदल रहे हैं। रविवार (भारतीय समयानुसार) को अमेरिका ने ईरान पर के खिलाफ ऑपरेशन मिडनाइट हैमर चलाया। इसमें बी2 स्टील्थ बॉम्बर के जरिए अमेरिका ने ईरान के कुछ इलाकों में बम बरसाए। एस्फाहान, फोर्डो और नतांज के तीन प्रमुख परमाणु स्थलों को निशाना बनाया गया।

कई देश ईरान को अपने परमाणु हथियार देने के लिए तैयार, रूस का बड़ा बयान

मास्को, एजेंसी। अमेरिका द्वारा ईरान के तीन परमाणु केंद्रों पर हमले के बाद से पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है। इस बीच ईरान के विदेश मंत्री ने रविवार को बताया कि वे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के लिए रूस का दौरा करेंगे। दोनों नेताओं की मुलाकात सोमवार को हो सकती है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि रूस, ईरान का दोस्त है। हम हमेशा एक दूसरे से सलाह मशविरा करते हैं। मैं मॉस्को जा रहा हूं और कल सुबह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ गंभीर मुद्दे पर चर्चा होगी। रूस के पूर्व राष्ट्रपति और राष्ट्रपति पुतिन के खास दिमित्री मेदवेदेव ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर एक और युद्ध शुरू करने का आरोप लगाया। मेदवेदव ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि ट्रंप शांतिदूत बनकर आए थे, लेकिन उन्होंने अमेरिका को एक नए युद्ध में झोंक दिया है। मेदवेदेव ने ये भी लिखा कि कई देश हैं, जो अपने परमाणु हथियार ईरान को देने के लिए तैयार हैं। हालांकि मेदवेदेव ने उन देशों का नाम नहीं लिया। पूर्व रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि इस्राइली जनता लगातार हमले के डर में जी रही है और इस्राइल में जगह-जगह बम धमाके हो रहे हैं।

बांग्लादेश के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त के घर पर भीड़ का हमला, पिटाई के साथ बेइज्जत भी किया गया

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में भीड़ द्वारा पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त को पीटने का मामला सामने आया है। रविवार को लोगों की भीड़ ने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त नुरुल हुदा के ढाका स्थित आवास पर हमला किया। यह हमला ऐसे वक्त किया गया, जब पूर्व पीएम खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी ने नुरुल हुदा के खिलाफ चुनाव में धांधली के आरोप में शिकायत दर्ज कराई। उसके बाद ही भीड़ ने नुरुल हुदा के घर पर हमला किया। ढाका के उत्तरा पश्चिम पुलिस स्टेशन के प्रमुख हफीजुर रहमान ने बताया कि सूचना के बाद हम मौके पर पहुंचे तो भीड़ ने हुदा को घेरा हुआ था।

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त को भीड़ ने पीटा, गालियां दीं : पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक भीड़ ने हुदा के ढाका के उत्तरा इलाके में स्थित घर पर धावा बोला और उन्हें खींचकर बाहर ले आई। इस दौरान भीड़ ने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त को पीटा। सोशल मीडिया पर साझा किए गए पोस्ट में दिख रहा है कि भीड़ ने नुरुल हुदा को पहले जूतों से पीटा और उसके बाद उनके गले में जूतों की माला पहनाई गई। नुरुल हुदा पर अंडे मारे गए और गंदी-गंदी गालियां दी गईं। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और नुरुल हुदा को हिरासत में लिया। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस के डिप्टी कमिश्नर मोहीदुल इस्लाम ने बताया कि हुदा को बीएनपी द्वारा दर्ज शिकायत के मामले में गिरफ्तार कर

लिया गया।

बीएनपी ने दर्ज कराया मुकदमा : बीएनपी ने नुरुल हुदा समेत 19 लोगों के खिलाफ चुनाव में धांधली करने की शिकायत दर्ज कराई। आरोपियों में पूर्व पीएम शेख हसीना का नाम भी शामिल है। हुदा को सोमवार को अदालत में पेश किया जाएगा। हुदा के नेतृत्व में ही बांग्लादेश में साल 2014, 2018 और 2024 के आम चुनाव कराए गए। बीएनपी का आरोप है कि इन चुनाव में लोगों के जनादेश के बगैर शेख हसीना को जीत मिली। हुदा पर हमले को लेकर सोशल मीडिया पर काफी कुछ लिखा जा रहा है। जिसे लेकर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने बयान जारी कर लोगों से कानून हाथ में न लेने की अपील की। यूनुस ने कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात भी कही। बीते साल शेख हसीना सरकार के सत्ता से अपदस्थ होने के बाद बांग्लादेश में अंतरिम सरकार का गठन हुआ, जिसके मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस बने। शेख हसीना को देश छोड़कर जाना पड़ा। शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के सत्ता से जाने के बाद से ही उनके नेताओं और समर्थकों को निशाना बनाया जा रहा है।

ईरान पर हमले से अमेरिकी संसद में घमासान, ट्रंप के एकतरफा फैसले से फंसी रिपब्लिकन पार्टी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। ईरान के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का अचानक सैन्य हमला अब घरेलू राजनीति में भी भारी हलचल मचा रहा है। ट्रंप ने कांग्रेस की पूरी जानकारी के बिना ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला करने का फैसला लिया, जिससे अमेरिकी संसद में नया विवाद खड़ा हो गया है। खास बात यह रही कि व्हाइट हाउस ने हमले से पहले सिर्फ रिपब्लिकन नेताओं को जानकारी दी, डेमोक्रेट्स यानी विपक्षी पार्टी को लगभग नजरअंदाज ही कर दिया गया।

सीनेट डेमोक्रेट नेता चक शूमर को हमले से ठीक पहले औपचारिक सूचना दी गई, जबकि हाउस डेमोक्रेट नेता हकीम जेफ्रीज तक खबर ट्रंप के ऐलान के बाद पहुंची। कांग्रेस की इंटेलिजेंस कमेटी के टॉप डेमोक्रेट जिम हाइम्स ने कहा कि उन्हें हमले की जानकारी सोशल मीडिया के जरिए मिली, जो बेहद शर्मनाक बात है। उन्होंने कहा कि यह न सिर्फ गलत बल्कि असंवैधानिक भी है कि संसद को विदेश नीति जैसे गंभीर मुद्दे पर चर्चा का मौका नहीं दिया गया। ट्रंप की पार्टी में ही बढ़ रहा

विवाद ट्रंप का यह कदम उनकी ही पार्टी में भी विवाद का कारण बन गया है। हाउस सांसद थॉमस मैसी और डेमोक्रेट सांसद रो खन्ना ने मिलकर वॉर पॉवर्स रेजोल्यूशन पेश किया है, जो बिना संसद की मंजूरी के ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकने की मांग करता है। ट्रंप के इस फैसले को लेकर रिपब्लिकन पार्टी में भी दो धड़े बनते नजर आ रहे हैं। ट्रंप के कट्टर समर्थक भी अब उनसे नाराज दिख रहे हैं। ईरान से युद्ध नहीं- जेडी वेंस खास बात यह भी है कि ट्रंप प्रशासन ईरान के खिलाफ इस अभियान को युद्ध नहीं बल्कि परमाणु कार्यक्रम को रोकने की कार्रवाई बता रहा है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा हम ईरान से युद्ध नहीं कर रहे, हम उसके परमाणु कार्यक्रम से लड़ रहे हैं। दूसरी ओर, ट्रंप ने अपनी ही पार्टी के सांसद थॉमस मैसी पर हमला बोला और उन्हें हारने वाला बताते हुए कहा कि वह उनके खिलाफ ही चुनाव प्रचार करेंगे। इस बीच, कांग्रेस में इस हफ्ते ईरान मुद्दे पर कई अहम प्रस्तावों पर वोटिंग होनी है। इसमें बिना संसद की मंजूरी के अमेरिकी सेना को ईरान में तैनात करने पर रोक लगाने का प्रस्ताव भी शामिल है। हाउस में भी दोनों पार्टियों के सांसदों ने मिलकर इसी तरह का प्रस्ताव पेश किया है। ट्रंप की यह रणनीति फिलहाल रिपब्लिकन पार्टी को असहज स्थिति में डाल रही है। पार्टी के अंदर ही विरोध की आवाजें तेज हो रही हैं। वहीं, डेमोक्रेट्स का आरोप है कि ट्रंप का यह कदम न सिर्फ असंवैधानिक है बल्कि अमेरिका को फिर एक अनिश्चित विदेश नीति के दलदल में धकेल सकता है।

पाकिस्तान की फिर किरकिरी, डोनाल्ड ट्रंप के नोबेल नामांकन पर घर में ही घिरी शहबाज सरकार

इस्लामाबाद, एजेंसी। इस्लामाबाद की सियासत में इन दिनों एक नया बखेड़ा खड़ा हो गया है। शहबाज शरीफ सरकार द्वारा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए आगे बढ़ाने पर पाकिस्तान में सियासी घमासान मच गया है। खास बात यह है कि ट्रंप की इस सिफारिश के कुछ घंटों बाद ही अमेरिका ने ईरान के तीन अहम परमाणु ठिकानों पर हमला बोल दिया, जिसके बाद पाकिस्तान में सरकार की कड़ी आलोचना शुरू हो गई। पाकिस्तान सरकार ने शुक्रवार को अचानक घोषणा की थी कि भारत-पाकिस्तान के बीच हालिया तनाव कम करने में डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका को देखते हुए उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया जाएगा। इसके लिए उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने नॉर्वे में नोबेल कमेटी को सिफारिश पत्र भी भेज दिया। लेकिन ईरान पर अमेरिकी हमले के बाद इस फैसले पर सवाल उठने लगे हैं। जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने सरकार से इस सिफारिश को तुरंत वापस लेने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति ने ईरान, फिलिस्तीन, सीरिया और लेबनान पर हमलों का समर्थन किया है, उसे शांति पुरस्कार कैसे दिया जा सकता है? फजल ने यह भी आरोप लगाया कि सेना प्रमुख असीम मुनीर से ट्रंप की मुलाकात के बाद पाक हुक्मरानों ने यह सिफारिश की। पूर्व सांसद

मुशाहिद हुसैन ने ट्रंप की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि ट्रंप अब कोई शांति दूत नहीं, बल्कि युद्ध का समर्थक बन चुके हैं। उन्होंने पाकिस्तान सरकार से नोबेल की सिफारिश को वापस लेने की मांग करते हुए कहा कि ट्रंप ने खुद को इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू और युद्ध लॉबी के चंगुल में फंसा लिया है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेता अली मोहम्मद खान ने भी इस सिफारिश पर सवाल उठाते हुए पुनर्विचार की बात कही। वहीं, पार्टी के थिंक-टैंक प्रमुख रऊफ हसन ने इसे पाकिस्तान के लिए शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा ईरान पर हमला अंतरराष्ट्रीय कानूनों का खुला उल्लंघन है और ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित करना पाकिस्तान की साख पर धब्बा है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक: ईरान-इस्राइल-यूएस के टकराव पर मंथन; गुटेरस ने जताई चिंता

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बिगड़ते हालात को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (ह्स्ष्ट) का आपातकालीन विशेष सत्र बुलाया गया। इसमें यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने कहा, अमेरिका ने ईरानी परमाणु सुविधाओं पर जो बमबारी की है, वह पहले से ही अशांति से जूझ रहे इस देश में खतरनाक मोड़ आने का संकेत दे रही है। इससे बचने के लिए कूटनीति को बढ़ावा देना होगा, नागरिकों की सुरक्षा करनी होगी, सुरक्षित समुद्री परिवहन की गारंटी देनी होगी।

गुटेरेस ने आगे कहा कि हमें लड़ाई को रोकने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर गंभीर, निरंतर वार्ता की ओर लौटने के लिए तुरंत और निर्णायक रूप से कार्य करना होगा। परमाणु अप्रसार संधि अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा की आधारशिला है। ईरान को इसका पूरा सम्मान करना चाहिए। सभी सदस्य देशों को संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून सहित अंतरराष्ट्रीय कानून के अन्य नियमों के तहत अपने दायित्वों के अनुसार कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में किसी भी और सभी प्रयासों का समर्थन करने के लिए तैयार है। रूस, चीन और पाकिस्तान द्वारा प्रस्तावित यूएनएससी प्रस्ताव के मसौदे पर आज की सुरक्षा परिषद की बैठक में मतदान नहीं किया जाएगा। यह सिर्फ एक मसौदा है, इसलिए मतदान से पहले इसे सुरक्षा परिषद के सदस्यों के बीच प्रसारित करने की आवश्यकता है। सबसे पहले अगले सप्ताह की शुरुआत से मध्य तक होगा।

रूस-चीन और पाकिस्तान द्वारा प्रस्तावित मसौदा प्रस्ताव संक्षिप्त : गुटेरेस

ने आगे कहा कि रूस, चीन और पाकिस्तान द्वारा प्रस्तावित यह मसौदा प्रस्ताव संक्षिप्त है। यह केवल डेढ़ पेज लंबा है, लेकिन इसमें दो मुख्य बिंदु हैं। यह ईरान में आईएईए द्वारा संरक्षित शांतिपूर्ण परमाणु स्थलों और सुविधाओं पर हमलों की कड़े शब्दों में निंदा करता है। इसमें कहा गया है कि यह हमला अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है और आईएईए की संपूर्ण सुरक्षा व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा है। इसमें विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका का नाम नहीं लिया गया है। तथ्य यह है कि इसमें तत्काल युद्ध विराम की मांग की गई है, अगर यह अंततः मतदान के लिए जाता है, तो अमेरिका इसे वीटो कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र में यूनाइटेड किंगडम के राजदूत बारबरा वुडवर्ड ने सुरक्षा परिषद के आपातकालीन विशेष सत्र में देश का पक्ष रखा। उन्होंने यूएनएससी से कहा, संघर्ष क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय शांति और स्थिरता के लिए गंभीर जोखिम पैदा करता है। अब हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता तनाव कम करने का समर्थन करना होनी चाहिए। यूके ने अमेरिका या इस्राइल के हमलों में भाग नहीं लिया। केवल सैन्य कार्रवाई ईरान के परमाणु कार्यक्रम के बारे में चिंताओं का स्थायी समाधान नहीं कर सकती। हम ईरान से संयम बरतने का आग्रह करते हैं।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशक: सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शराब की तस्करी के लिए मोटरसाइकिल चुराने वाला गिरोह

गुजरात में मजदूर बनकर आते थे बाइक चोर, पुलिस ने दो को पकड़ा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर क्राइम ब्रांच ने अवैध शराब की तस्करी के लिए मोटरसाइकिल चुराने वाले अंतरराज्यीय वाहन चोरी गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से 2.40 लाख रुपये मूल्य की 4 चोरी की मोटरसाइकिलें भी जब्त की हैं।

सूरत शहर क्राइम ब्रांच को जानकारी मिली थी कि सूरत और गुजरात के अन्य शहरों में वाहन चोरी करने वाले आरोपी रुजला तोमर और राकेश तोकरिया चोरी की बजाज पल्सर और होंडा शाइन मोटरसाइकिलों के साथ अडाजन बी.ए.पी.एस मंदिर से मक्कई पुल की ओर जाने वाले रास्ते से गुजरने वाले हैं। इस सूचना पर क्राइम ब्रांच की टीम ने उन्हें मौके पर ही पकड़ लिया।

गिरफ्तार आरोपी

१. रुजला मोहनिया रामसिंह तोमर (उम्र 25), निवासी – पटेल फलिया, गांव नानी बडोई, तहसील काठीवाड़ा, जिला अलीराजपुर, मध्यप्रदेश

२. राकेश वेरसिंह भजीड़ा तोकरिया (राठवा) (उम्र 22), निवासी – पटेल फलिया, खामडका गांव, तहसील काठीवाड़ा, जिला अलीराजपुर, मध्यप्रदेश

दोनों आरोपी पाल पुलिस स्टेशन और भरूच जिले के नेत्रंग थाने में दर्ज मामलों में फरार थे।

पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 4 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं जिनकी कीमत लगभग 2,40,000 है। उन्होंने बताया कि ये मोटरसाइकिलें उन्होंने सूरत के पाल गांव और भरूच जिले के नेत्रंग के राजपाड़ी क्षेत्र से चुराई थीं। इसके अलावा, रुजला तोमर पर छोटा उदेपुर जिले के नसवाड़ी पुलिस थाने में भी दो वाहन चोरी के मामले दर्ज हैं।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे मध्यप्रदेश के अलीराजपुर जिले के निवासी हैं, जो गुजरात राज्य की सीमा के पास स्थित है। उन्होंने यह भी कबूला कि गुजरात में शराबबंदी होने के कारण उनके गांव के लोग अवैध शराब की तस्करी में शामिल हैं और इसके लिए मोटरसाइकिल की जरूरत होती है। इसी वजह से वे गुजरात के विभिन्न जिलों में मजदूरी के बहाने आते थे और मोटरसाइकिल चोरी करते थे।

आरोपी सूरत सहित दक्षिण गुजरात के अन्य शहरों में मजदूरी करने आते थे। छुट्टी के दिनों में वे आसपास के इलाकों की रेकी करते, अपने अन्य साथियों को बुलाते और रात में मोटरसाइकिल चोरी करते थे। पुलिस से बचने के लिए वे चोरी की गई गाड़ियां किसी सुनसान जगह छिपा देते और फिर उन्हें अनुकूल समय पर अपने गांव ले जाकर अवैध शराब तस्करों को बेच देते थे।

कक्षा 10-12 की पूरक परीक्षा को लेकर राज्य सरकार का महत्वपूर्ण निर्णय

भारी बारिश में परीक्षा छूटने वाले छात्र दोबारा दे सकेंगे परीक्षा; शिक्षा राज्य मंत्री पानसेरिया की घोषणा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा कक्षा 10 और 12 की पूरक परीक्षाएं शुरू हो गई थीं। लेकिन राज्य में व्यापक भारी बारिश के चलते कक्षा 10 और 12 की पूरक परीक्षा देने से वंचित रह गए छात्रों के लिए गुजरात सरकार ने एक अहम और छात्रहितैषी निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में शिक्षा विभाग द्वारा घोषणा की गई है कि जिन छात्रों ने बारिश और उससे उत्पन्न हालात के कारण परीक्षा में उपस्थिति दर्ज नहीं कराई, उनके लिए दोबारा परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

शिक्षा राज्य मंत्री प्रफुल पानसेरिया ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि "बारिश के कारण कई जगहों पर जलभराव हुआ है और यातायात बाधित हुआ है। ऐसे समय में कक्षा 10 और 12 की पूरक परीक्षाएं चल रही हैं। जो छात्र परीक्षा केंद्र तक नहीं पहुंच पाए हैं, उनके लिए पूरक परीक्षा समाप्त होने के बाद एक नई व्यवस्था शिक्षा विभाग द्वारा की जाएगी ताकि वे परीक्षा दे सकें।"

उन्होंने आगे कहा कि कक्षा 10 और 12 के जो छात्र पूरक परीक्षा से वंचित रह गए हैं, वे अपनी मेहनत जारी रखें। आगामी समय में शिक्षा विभाग ऐसे वंचित छात्रों के लिए दोबारा पूरक परीक्षा का आयोजन करेगा। इस निर्णय से भारी बारिश के कारण परीक्षा नहीं दे सकने वाले हजारों छात्रों और उनके अभिभावकों को बड़ी राहत मिलेगी।

वापी में बारिश बनी मुसीबत, जलजमाव से जनजीवन अस्त-व्यस्त

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वापी में कुछ समय की बारिश ने ही नगर के कई विस्तारों को जलमग्न कर दिया। सड़कों पर घुटनों तक पानी भर जाने से आम जनजीवन प्रभावित हो गया है। स्थानीय लोगों को घर से बाहर निकलने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

शहर के कई इलाकों में नालियों की सफाई ना होने के कारण पानी की निकासी ठप हो गई, जिससे सड़कें नदियों में तब्दील हो गई हैं। वापी का छोटा अंडरब्रिज हर बार की तरह इस बार भी पानी में डूब गया है, जिससे वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बाधित हो गई।

स्थानीय लोगों को वापी ईस्ट से वेस्ट या वेस्ट से ईस्ट जाने के लिए मजबूरन रेलवे ट्रैक का सहारा लेना पड़ रहा है, जो कि बेहद जोखिम भरा है। बारिश के कारण रेलवे ट्रैक पर फिसलन और ट्रेन की आवाजाही के बीच लोगों की जान खतरे में पड़ रही है।

नगरपालिका द्वारा जल निकासी की समुचित व्यवस्था न किए जाने पर लोगों में रोष है। स्थानीय निवासियों ने जल्द से जल्द स्थायी समाधान की मांग की है ताकि हर बारिश में शहर जलजमाव की मार न झेले।

देखना होगा कि प्रशासन इस समस्या को लेकर कब तक ठोस कदम उठाता है, या फिर हर बारिश के बाद वापी के लोगों को यूं ही जलजमाव की परेशानी झेलनी पड़ेगी।

अपहरण कांड का दमण पुलिस ने किया पर्दाफाश, चार आरोपी चंद घंटों में गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दमण के कचिगाम पुलिस स्टेशन ने एक अपहरण की घटना को कुछ ही घंटों में सुलझाते हुए शानदार सफलता हासिल की है। पुलिस की तत्परता, कुशल रणनीति और तकनीकी सहायता से अपहृत व्यक्ति को सुरक्षित छुड़ाया गया और चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

घटना 23 जून की शाम लगभग 6ः45 बजे घटी, जब नानी दमण के सोमनाथ जंक्शन के पास स्थित सेलवेल कंपनी के पास कुछ लोगों ने श्री सचिन राकेश यादव और उनके पिता श्री राकेश यादव पर हमला कर दिया। हमलावर राकेश यादव को जबरन एक सफेद स्कॉर्पियो (त्नछ-15-ष्ट-5437) में डालकर फरार हो गए।

घटना की जानकारी मिलते ही स्टेशन हाउस ऑफिसर के नेतृत्व में और एसपी एवं एसडीपीओ के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई की। खोजबीन के दौरान गुजरात के वातार क्षेत्र से राकेश यादव को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। इस संबंध में भारतीय न्याय संहिता 2023 की धाराओं 140(4), 115(2), 127(2), 351(3), 352, 3(5) के तहत एफआईआर संख्या 34/2025 दर्ज की गई।

गिरफ्तार किए गए आरोपी इस प्रकार हैं:

1. विवेक सलीकराम यादव (23), निवासी मशाल चौक, नानी दमण
2. अमित सलीकराम यादव (20), निवासी मशाल चौक, नानी दमण
3. सूरजकुमार संतराम गौतम (20), निवासी वातार रोड, वलसाड, गुजरात
4. रोहित अयोध्या बारी (22), निवासी वातार रोड, वलसाड, गुजरात

पुलिस ने अपराध में प्रयुक्त सफेद स्कॉर्पियो को भी जब्त कर लिया है। चारों आरोपियों को माननीय अदालत दमण में पेश किया गया, जहां से उन्हें 7 जुलाई 2025 तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पुलिस जांच में सामने आया कि पीड़ित राकेश यादव पूर्व में सलीकराम यादव के लेबर कॉन्ट्रैक्ट व्यवसाय में काम करते थे, लेकिन बाद में उन्होंने स्वतंत्र रूप से अपना काम शुरू किया और कई मज़दूरों को अपने साथ जोड़ लिया। इस प्रतिस्पर्धा से नाराज़ होकर सलीकराम यादव के पुत्रों — विवेक और अमित — ने अपने दो मजदूर साथियों के साथ मिलकर राकेश यादव का अपहरण करने की योजना बनाई।

दमण पुलिस की यह तेज़ कार्रवाई अपराधियों को कड़ा संदेश देती है कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के लिए यहां कोई जगह नहीं।

एकल श्री हरि राष्ट्रीय समन्वय समिति की दो दिवसीय बैठक का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, एकल श्रीहरि राष्ट्रीय समन्वय समिति की दो दिवसीय बैठक द्घड्ढ आईजन आयोजन 21 एवं 22 जून 2025 को बेंगलुरु में किया गया। बैठक में समस्त देश के विभिन्न चैप्टर और नेपाल से प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

बैठक का उद्घाटन एकल अभियान के राष्ट्रीय अभियान प्रभारी राजेश गोयल, एकल श्रीहरि के राष्ट्रीय अध्यक्ष सीए महेश मित्तल, महामंत्री विजय केडिया, एकल अभियान के राष्ट्रीय अभियान प्रमुख डॉ. ललन शर्मा एवं प्रो. मंजू श्रीवास्तव ने दीप प्रज्वलन कर किया।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में सीए महेश मित्तल ने कहा, जैसे हिंदू धर्म में 25 वर्ष पूर्ण करने के पश्चात व्यक्ति गृहस्थ आश्रम में प्रवेश करता है, ठीक वैसे ही एकल श्रीहरि भी अपना ब्रह्मचर्य आश्रम पूर्ण कर अब गृहस्थ आश्रम में प्रवेश कर चुका है। अब तक संगठन का आधार बनाया गया है, और अगले पांच वर्षों में हमें उस आधारशिला पर एक भव्य भवन का निर्माण करना है।

बैठक में छह सत्रों में कुल 10 प्रमुख विषयों पर गहन चर्चा की गई, जिनमें संगठन के वर्तमान और भावी लक्ष्यों, गतिविधियों और व्यवस्थाओं का मूल्यांकन किया गया। बैठक का आयोजन एवं समस्त व्यवस्था बेंगलुरु श्रीहरि चैप्टर द्वारा किया गया। समापन सत्र में बेंगलुरु चैप्टर के अध्यक्ष सुरेश मोदी, संजय मोदी एवं कांता सोमानी ने सभी आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापन किया। इसके बाद शांति मंत्र के साथ बैठक का समापन हुआ।

'इनर जॉय आउटर ब्यूटी' योगा कार्यक्रम का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा एक विशेष योगा कार्यक्रम 'इनर जॉय आउटर ब्यूटी' का आयोजन मंगलवार को सिटी लाइट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस में किया गया।

महिला शाखा अध्यक्षा सोनिया गोयल ने बताया कि कार्यक्रम में मेंट 'अंजू सोमानी ने लाफ्टर थेरेपी एवं मेंट 'प्रियंका बूलिया ने फेस योगा सिखाया।

कार्यक्रम में बताया गया कि लाफ्टर थेरेपी न केवल तनाव को कम करती है बल्कि जीवन में उत्साह और ऊर्जा भी भरती है। वहीं फेस योगा द्वारा चेहरे की मांसपेशियों को सक्रिय कर प्राकृतिक सौंदर्य को बनाए रखा जा सकता है। इस अवसर पर महिला शाखा की सरोज अग्रवाल ,रुचिका रुंगटा, सीमा कोकरा, प्रीति गोयल, शालिनी चौधरी, सुनीता जालान, लीना चौधरी सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं।

मंगल पाठ एवं विशाल भजन संध्या चार जुलाई को

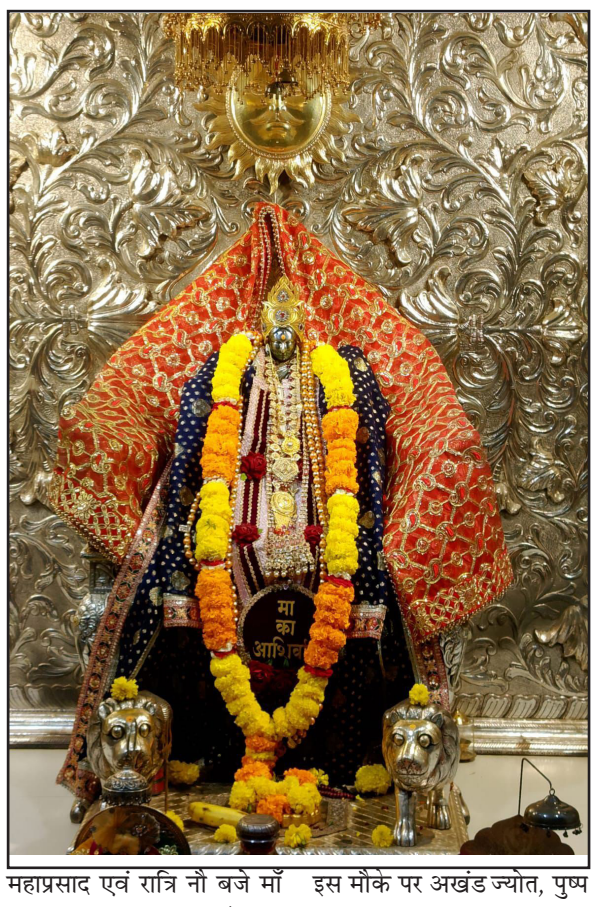

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, माँ भीमेश्वरी देवी (श्री बेरीवाली माता) मंदिर के प्रथम पाटोत्सव के उपलक्ष में मंगल पाठ एवं विशाल भजन संध्या का आयोजन चार जुलाई को किया जाएगा। इस अवसर पर माँ का भव्य दरबार न्यूसिटी लाइट स्थित देवसर माता मंदिर हॉल में सजाया जाएगा। श्रृंगारित दरबार के समक्ष शाम साढ़े चार बजे से मंगल पाठ का आयोजन पाठ वाचक सुरभि बिरजुका द्वारा किया जाएगा। शाम छः बजे से आयोजित भजन संध्या में सुरेश जोशी, हीरल शर्मा के अलावा कोलकाता के विकाश झा भजनों की प्रस्तुति देंगे। आयोजन के दौरान मंच का संचालन योगेश बंसल करेंगे। आयोजन में रात्रि आठ बजे से महाप्रसाद एवं रात्रि नौ बजे माँ का ख़ज़ाना में इक्कीस चाँदी के सिक्के वितरित किया जाएँगे। इस मौके पर अखंड ज्योत, पुष्प वर्षा, इत्र फुहार, छप्पन भोग आदि कार्यक्रम भी होंगे।